रसिकप्रिया

नं. १८५६

6123
F — 82

complete

नं.१६

होतिहै सुषसोभाकीहांनि ३३ दोहा
रा मुग्धासोउरहैनही पियसंगसुनइ
सुजान जैसोकौहूवैसषी सुषनहीता
हिसमान ३४ अथमुग्धासुरतिवर्ननं
कवित्त सुषदैसंषीनिवीचदैकैसोहै
कोमलमृनालिकासी मल्लिकाकीमा
लिकासीवालिकाजडारीमीडिमानसुकै
पसुहै जानैनविभातभयोकेपावसुनै
कोबातदेषोग्रानिगानजातभयोकि
धौंसुसुहै चित्रसीजराषीयहचित्रनी
विचित्रगातिकहोंधौंरसिक नपथामै।
कौनरसुहै ३५ अथमुग्धाकोमानव
र्ननं दोहरा मुग्धामानकरैनही
करैतौसुनइनिदांन धौंउरपारछुडा
इवेजोइरपैग्रगांन ३६ अथमुग्धाको
मानवर्ननं सवैया वोलैनवालवुलाव

तहूं न षरेषलि भुवपै मपरेषो आपनो हा
सु विलोकि विलोकिक हीन बकेशव तुहि
विसेषो छोरी वडी विधि रेषलिपी जग आ
उकी वेषस कोंन ज्ञलेषो प्रेमते बोलस
ह्यौन पल्यौ अरु ज्ञलाइक ल्यौपिय कैसी हू
देषो २७ इति मुग्धासमाप्तं अथ नवमुग्धा भे
द वर्ननं दोहरा मुग्धा आरूढ जोवना अ
गलभ वचना मान प्रादुर्भूत मनोभव सु
रत विचित्रा आन २८ अथ मुग्धा आरूढ
जोवना लक्षन वर्ननं ॥ दोहरा ॥ मुग्धा आ
रूढ जोवना रतन जोबन वंत भाग सुहा
ग भरी सदा भावति है मन कंत २९ अथ
मुग्धा आरूढ जोबन सवाय बहूश्रैदे सुक
वेत बंदकों सो भाग भाल भरू ठीक मान
की सी मेंन के से पैने सर नैननि विलास है
नासिका सरोज गंध वाह से सुगंध वाह दरा

सौंसेदसनकेसोबीनरी सौंहासहै
भाईकीसीगरीवभजनपानसोउदरअरपं
कजसपाइगतिहंसकीसीजासहै देषी
है गुपालएकगोपिकामैदेवता सीसी
नेसैसरीरसबजटहरीसीपेकीसीवास
है ५ अथअगलभवचनाम ....
अगलभवचनाजानितिहि वचनहके
शवदास वचननिमांहिउरेषहैनो देषदि
षावेयास ६ अथअगलभवचनामध्या
वर्नने सवईया कान्हभलेजुभलेटेगा०
लागेभलेहैकैदीनेननिकेरंगरागे जानति
ह्रौंसबहीतुमजोननआपुसकेशवलाति
तुलागे जाइनहीं अहोजाइचलेहरि
जाजजितेदिनहीबनिवागे देषिकहार
हैपोषेपरेउभरेकेसंदेषिवेदेषइआगे
७२ अथपाडभेलमनोभवामध्या ....

ॐ दोहरा प्राछन्नमनोभवामध्याकहौं
वर्षांनि तनमनभूषितसोभिजै केशव
कोमकलानि ४३ अथ प्राछन्नमनोभव
वर्णनं सवईया प्राछ्नभेदेषीहै गोपह
ताइक होइनप्रेमीप्रहरिकीजाई देष
नहीरहिपडति देहकी देषतेऔरन देषी
सहाई एकहीवेकविलोकनि ऊपरवारे
विलोकनिकाई केसवदासकलानि षिसो
वषिवषिएकोमकिमेरीकहाई ॥ चित्र
हेतनामध्यायालकनहदावर्णनं दोहरा
प्रतिविचित्रसरनासनैजोकोसरतिवि
चित्र वरननकविकुलकौंकादिन सुनत
सदाऊमित्र ४५ दोहरा सोरहईसिंगार
सुभ सोरहसरनसमान बुधिविवेक वल
समकियो केशवदाससजान ४६ अथवि
चित्रसरतामध्यावर्णनं कवित्त प्रथमसक

तसुवि मंजन अमलतनबासजावकसुदे
सकेसपासकोसुधारिबौ अंगरागभूष
नविविधमुखबासरागकजलकलित
लोललोचननिहारिबौ बोलनिहसनि
मृदुचलनिचलनिचारुपलपलप्रति
पतिब्रतपतिपारिबौ केसोदाससविला
सकरुकुअधरिरापेइहिविधिसोरहसिंगा
र निसिंगारिबौ ४७ कवित केसोदासस
विलास मंदहासजुत अवलोकनिअला
पनिकौंआनंद अपारहै बहिरतिसात
अरुअंतरतिसातभुनिरति विपरीतिति
कौंविविधिविचारहै छूटिजातिलाज
जहांभूषनसुदेसहूटिजातहो रसमसि
टत्तसिंगारहै कूजिकूजिउठैरतिकूजि
ननिस्वनघगसाईनौसरतिसषि ओरवि
वहारहै ४८ अथबकिरतनामवर्ननं

ॐ

3

दोहरा आलिंगनचुंबनपरस मर्दननष
रदछान अधरपानसौंजानिबो बहिरत
मानसुजांन ४९ अथअंतरतिनामवर्न
नं दोहरा॥ थितिनिर्यक मन्मथविमुष अ
धऊरधऊतांन मानअंतरतिसमुकियो
केशवसकलसुजांन ५० अथसुरतांत
वर्ननं सवैया हेदरनाघघपावकजाव
कपीकेहिपनषंडदयेहैं चंचनचित्रसु
धाविष अंजनछूटिसबै मनिहारगएहैं
केशवनैननिनींदमई मदिरामदछूम
नमोहमएहैं केलिकेनागरिनागरुथा
नउजागरसागरबेषमएहै ५१ दोहरा
सिगरीसष्यानीत्रिविधि धीराऔरअधी
र धीराधीरातीसरी बरननहैकविधी
र ५२ अथधीराअधीराधीरधीरालछ
नवर्ननं॥ दोहरा॥ धीरावोलैवक्रविधि

बानी विषमग्रधीर पियसोंदेउरोहैनो
सोपीरानअधीर पद अथमध्याधीराव
र्नने सवईया जौंजौंहलाससैंकेशव
दासविलास निवासहियेंअवरेष्योमैं
नैंवढ्यौंउरकेप्रकलुषमभीतमयो
किधौंसोहविसेष्यौ मंडितहोइसघी
ववहींमेरेनैनसरोजनिसांक्षकेलेष्यौ
नैजुकलौंमुषमोहनको अरविंदसो
हैगेतौचंदसोदेष्यौ षष अथमध्या
अधीरावर्नने कवित्त गातकोसोभा
नसबवलबलवीरकोसोमानकोसौ
मसुमहामोहिमनभायोहै ष्यलसौ
अचलसीलअनलसेचलचित्तजल
से अमलतेजनेजकोसोगायोहै के
सोदासबसंत अकासकेप्रकासचोष
चरचर चटचटचैरुयेकोछायोहै रति

(२)

ॐ कीसीरतिनाथतूपरतिनाथकोसोकहो
केसोराइरूपकौनपहिपायोहे ५५ अथ
मध्यापीराअधीरावर्ननं ॥सवइया॥ को
हूभलेजूभलीसमकाईहोंमोहेसमइको
जोउमह्योहे केशवआपुनेमोंनिसोमन
हाथ परापदैकोनेलह्योहे नेननिही
मिलिवोकरिये अबबेननिकोंमिलिबो
गोरह्योहो जाइकह्योहमजेसोमसोस
हैअहो उपालमेयेसोकह्योहो ५६
इतिमध्यासमाप्तं ॥ अथप्रोढावर्ननं ॥
दोहरा॥ रतिसमसलरसकोविदाचित्रवि
भ्रमाजाति अतिआक्रामितनाइका लख्या
यतिसमभांति ५७ अथसमसलरसको
विदाप्रोगलभवर्ननं ॥ दोहरा॥ सोसम
सलरसकोविदा कोविदकहतवषानि
जोरसभावेप्रीतमहि ताहीरसकीदानि ५८

अथसमस्लरसकोविदावर्ननं॥कवित्त॥
देषिहै गोपाल एक गोपिका अनूपरूप सों
नेन से लोंनी वास सोंधे नें सवाई है सोभाई
सुभाइ अवता रुलीनो चन स्यामा कि धौं यह
दामिनी यौं कामिनी है आई है देवी कोई
दानवीन मानहीन होई ऐसी भानवी वर्हा
इभाइ सरस्वती भावती पठाई है केसौदास
सब सुष साधन की सिद्धि यह मेरे जांने मेंन
सों मैनका की जाई है ४९ अथ विचित्रवि
भ्रमा प्रौढा लछनवर्ननं॥ दोहरा अति वि
चित्र विभ्रम सदा प्रौढा प्रगट विषानि जा।
की दीपति हू नि का पियहि मिलावै आनि ५०
अथ विचित्रविभ्रमा वर्ननं सवईया॥ है
गति मंद मनोहर के केसव आनंद कंद हि
एं कुलहे हैं भौंह विलासनि कोमल हास
नि अंग सुवासनि गारे गहे हैं। वैकविलो

३ं

कानिकों अवलोकि समाकहूनं दऊमाहर
हैहैं गईतो कांमके बांनकल्लावनफूलनिके
विधिमूलिकहेहै ९१ अथआकामितनाइ
काप्रौढालछनवर्ननं। दोहरा॥ सोआका
मितनाइकाप्रौढाकहिदेचित मनसावाचा
कर्मनाजिहिवसिकीनोमित ९२ अथआ
कामितनाइकावर्ननं सवईया नोहित
गाइबजावतनाचतबारअनेकेसिंगारुब
नायो जोहूमैआनकौआंनिवैबाछाडोपैतै
रोनकुनमयोमनभायो भावैसुतकरिभो
मिनिभागबडेबसिनैंकरिपायो कांन्हसों
सुथेंजवारतिनोंकिसचारुतिहै अबपाइ
लगायो ९३ अथलब्धापतिप्रौढालछन
वर्ननं दोहरा॥ सोलधापतिजांनियै केस्राव
प्रकटसमांनि कांनिकैरपतिऊलसबै अभुता
प्रभुकिसमांन ९४ अथलब्धापतिवर्ननं॥

सवईया आजुविराजतहैं कहिकेशवश्री
हषभांनकुमारिकन्हाई वांनिविरंचिबि
हिकसकामरचीजुवचीसबपूनिवनाई
श्रृंगविलोकिविलोकमे श्रेसीकोनारिनहीं
तिहिनारिनवाई सूरतिवंतसिंगारसमी
पसिंगारुकियेंकिधौंसुंदरताई ९४ अथ
श्रोताधीराभेदवर्ननं दोहरा॥ आदरमांकश्र
नादरे प्रगटकरेहितहोइ आकृतिश्राश्चरा
वईश्रोताधीरादोइ ९५ अथसादरश्रनाद
रधीराश्रोताबर्ननं सवईया आवतिदेषि
लिएउठिश्रागेह्वैकेशवश्रापुहीश्रासनदी
नौ आपहीपाइपषारिभलैजलपांनकौ
भाजनलाइनदीनौ वीराबनाइकैश्रागे
धरेंजबवेहरिकौकरवीजनौलीनौ वा
हगाहीहरिश्रेसोकह्योहसिमेंनौ पतोश्र
पराधुनकीनौ ९७ अथश्रोताधीराश्राकृति

३ गुप्ता वर्ननं ॥ सवइया ॥ चितवौ चितकौं रा
हमा पंहसौ होद्दु लापनै बोलौ र्ह्यौ नित मैं नै
सौंह अनेक निश्चावहु अंक करौ रति कौ प्रति
बैन कीरौं नै ष्वापते षाहुब्बलौड विरीजन
आई हो केशव आज ही गौंनै मोहन कौ मा
हनी ह कहौ यह पौंसि घई सिष कौंनै ६८ स
वईया हितकै इन देषहु जद देषो सबै हित वा
त मनैा जू हनी सब हीहै घरु नौक हु आरु
वहै सब ही अब सौंह करौं बकरीज न ही है ॥
समफाइ कहौ सम फी सब केशव रूटी सबै
ह मसौं न कहीहैं मांनाकियौ अपमांन कै
नौह सौं अब केह सिवकौं रही है ६९ अथ
प्रौढा अधीरा लछ्न वर्ननं ॥ दोहरा ॥ पति कौ
अति अपराध गनि हितन है छिनमानि कहत
अधीरा प्रौढा तिहि केशवदास बषानि ७०
अथ प्रौढा अधीरा वर्ननं ॥ सवईया ॥ हौं सब

पाइ सिषाइ रही सिष सी षैन प सिषैनै
हूं सिषाई मैं बहुतै डरु पाइ रही देष्यो पैके
पव के हूं कुटै वन जाई दंडु दियें विन सा
पनि हूं से गब्रु टतिके यों षल की षलना
ई देषहु दैमधु की घुट को टि मिटै न घटै
विष की विषमाई ७१ अथ प्रोढा धीरा
लक्षनं धीरा वर्ननं दोहरा मष बूषी बातैं कहै
जियमैं पिय की भूष धीरा अधीरा जानि
जै जैसी मीठी ऊष ७२ अथ प्रोढा धीरा
अधीरा वर्ननं ॥ सवईया केशव औरनि
सौं रस रास सिर स्यों बस बाड सबै हम मोहैं
हौं मन मैलेन जौं लौं कछु अब छाडहु बो
लहु मोहें देषहु यौं इक बार सकौं वन आ
वसलौं वन आरसी सोहै आप जु वैसेहैं री
साज सौं आज सु भूलि गई पिय का लिहि की
की मोहैं ७३ इति..................

प

ॐ दोहरा सबनैंपरमप्रसिद्धजग ताकीषि
याजुहोइ परकीयातासोंकहै परमप्रवी
नेलोइ ७४ अथपरकीयभेदवर्ननं दोह
रा परकीयाद्वैभांतिपुनि ऊढापकअनूढ
जिनहिदेषिवसिहोतहै संततमूढअमू
ढ ७५ अथऊढाअनूढालछनं दोहरा
ऊढाहोइविवाहिता अविवाहिताअनूढ
तिनकेकहौंविलाससब केशवगूढअगू
ढ ७६ अथऊढाविलासवर्ननं ॥
सवैया बैठीसषीनिकीसोभैसभासब
हीकेसुनैननिमांफबैसै हूनैंवातबसाइ
कहै मनहींमनकेशवरामहसै षेलति
है शतिषेलउनैपियाचित्तषिलावतियौं
विलसै कोईजानैनहीहगहैंविकबैकि
हूहैहुरिआषिनिह्वैनिकसे ७७ अथअ
नूढाविलासवर्ननं सवैया बैठीहुती

बजनारिनिमें बनिश्रीवृषभानकुमारि
सभागी षेलनि ह्वी सषि चौपुरि भई तिहि
ले षषरी अनरागी पीछेतें केशव बोलि
उठे मननिकै चित चातरी आतुरी जागी जा
नी न काहूकै बैहूरि के सुर मारग ह्वी सर
सी ह्वगलागी ७८ दोहरा काहूं सौं न क
हैकहूं बात अनूफा गूफ सषी सहेली
सौं कहे उफा गूफ अनगूफ ७९ अथ छन्न
प्रकासन वर्नन सवईया केशवराइकी
सौंह कैकै कछु एक निश्राप्रुमैं छोडएरी
एक चितै ससिका इतै उन भान कहै वह
भाइ भरी चारु चकोर विलोचनि भासी
चहूं दिसतें अंगुरी पसरी सषि आज जग
ई होती गोकुल ह्वों सबहीं मिलि हैजकी
चांह करी ८० दोहरा जगनाइककीना
इका बरनी केशवदास तिनके दरसन र

डो
रसि
प्रि

८

सकहौं सुनहु प्रछन्नप्रकास ८८ इतिश्री
मन्महाराजकौमार श्रीइंद्रजीत विरचिता
यां स्वकीया परकीया भेद वर्ननं नाम
त्रितियो प्रभावः ३ अथ दर्शन लछन वर
र्ननं ॥ दोहरा ॥ एक जु दरसै दरस सों हिसु
काम सरीर दरसन चारि प्रकार के बरन
त है कवि धीर १ अथ दर्शन भेद वर्ननं ॥
दोहरा एक जु नीके देखीए दूजो दर्शन
चित्र सु भेद दर्शन चित्र नी सखो चौथो श्रवन
निमित्र २ अथ साक्षात दरसन लछन वर्न
ने दोहरा नीद भूख उति देह की गई सुन
नहीं जाहि को जानै है है कहा केशव दे
खेताहि ३ अथ राधिका को प्रछन्न सा
क्षात दर्शन वर्ननं सवईया कहि केशव
श्री वृषभानकुमारि सिंगारि सिंगार हू स
बै सरबै सविलास चितै हरि नाइक सों

रतिनायक साइकसेवरसै कबहूंस
सदेसतिर्दर्पनमैउपमासमघ कीसघमा
परसै जनुआनंदकंदु मंसबनचंदुडुसोर
विमंडलमैदरसै ४ अथराधिकाकोप्रका
ससादातदर्शनवर्ननं सवईया भाल
गुहीगुनलाललटैंलपटीलबमोतिनकी
लसटैंनी नाहिविलोकनिआरसीलैक
रआरससोंइकसावसनैंनी केशवकान्ह
उबेदरसीपरसीउपमांमतिसोंअतिपै
नी सूरजमंडलमैंससिमंडलमध्यध।
सीजनुनाहिबिबैंनी ५ अथप्रकासको
प्रकाससादातदर्शनवर्ननं सवईया
इकतोउरओरउरोजअनूपमतैसेमनो
हरहारमहारी चितचलैनकनीनिहूं
कौंतकनैनिकीकेशवगातकराती दि
नसोंहितकीकहिहीबनिआवतिको

रसिक प्रि

लगिहौंहरीकौंतककहारी अचलदेनेदला
लचिलोकितरीदधिनोछिविलोवनहारी ७
अथराधिकाकौप्रछन्नचित्रदर्शनवर्ननं
दोहरा चित्रहीमैहरिमित्रकीअतिवि
चित्रगतिगूढ प्रगटिकोमकौंकलपत
रुकह्निनजाइमतिमूढ ८ सवईया लो
चनछैंचिलिपश्तकोमनकीगतिजयापि
नेह्रनहीहै औनन आइगएअमसीक
रहेमउदेउदिकंपगहीहै तासौकहाक
ह्निकेशवलाजसमुद्रमैबूडिवहीहै चि
त्रहीमेहरिमित्रह्निदेषनथौसकुचीजनवा
ह्निगहीहै ९ अथराधिकाकौंप्रकासचि
त्रदर्शन कवित्त केशोदासनेहदसादी
पकसेजोइकेसेजोतिह्निकेध्यानतनमतेज
ह्निनसाइहै औसनिसोंवाप्योअन्नकाहू
कीनजाइभूषपानीकीकहानीरानीयाथ

सकौंत्रुफाइहै परीमेरीइंदमुषीइंदीवरनैनि
लिषिइहाकेमंदरमेसंपतिसिधाइहै अैसी
दिनद्वैसेंहीगंवावतिगवारिकहाचित्रदेषि
मित्रकेमिलेकोसुषपाइहै १० अथलसको
प्रछन्नचित्रदर्शनवर्ननं ॥ कवित्त ॥ लूटिवे
कोहूटिवेकोमृडुमसकाइकैविलोकिवेकों
भेटुकछूकल्यौनपरतहै केशोदासबोलेवि
नुबोलनिकेसुनेविनहिलनिमिलनिविन
मोहिकैौंसरतहै कैोलगिसुलौनोरूपप्या
इप्याइ राषौंवैननीरुदेषमीनकैसेधीरज
धरतहै चित्रनीविचित्रकिननीकेहीचितेजे
मनचित्रमेचितेजेचित्रचोरुनोजरतहै ११
अथलसकोप्रकासचित्रदर्शनयं कवित्त
अंतरिछगतिनी नजदिनीसुललितिनी
नआछीआछीप्रछनीनछबिछमनीयहै
किंनरीनरीसुनारिपंनगीनगीऊमारि आ

रसि
प्रि०

सुरीसुरीनिहूंनिहारिनमनीयहै भोगनि
कीभांमिनीयौंदेहिधरेदामिनीयौंकांम कां
मिनीयौंकहाअैसीकमनीयहै चित्रहीमैं०
चितहिचुराइलेतिकोऊयचनरांमकीसीरम
नीरमोसीसमनीयहै ८२ अथसमदर्शनल
छनवर्ननं दोहरा केशवदर्शनसमकौसु
दाइस्रोंहीहोइ कबहूप्रगटनदेषिजे यह
जांनेसबकोइ ८३ अथराधिकाकोसमदर्श
नवर्ननं सवईया आनरहैउदितैरिअलीज
नआनरजौंगहिपक्षगहीमैं कहियौंमेरी
रांनीकहाभयोतोकहूंहूफतिकेशवहूकि
पजैं डीटिलगीकिधौंसतलग्योकिलग्यो
उरशीतसुजाकिहिडरीयौं आननसीकरसीक
रसीकहिपेधकसोवततैं अकुलाइउठीकौं
८४ अथकृष्णकोसमदर्शनवर्ननं कवित्त
नसपदपदवीकोपावैपटुहोयनीनपकोबि

सउरबसीउरमैन आनिबीलौंमसीपुलो
मज्ञानतिलसीतिलोतमानमैलहूं समान
मनमैंनकानमानिबी ज्ञानिये- कौंज्ञाति
अवहीजगाएंज्ञाति ज्ञानज्ञानिहोजोवह
यौंहीपहिचानिबी बातकसीबानीमाहि
भाउसोभबानीमांहिकेशोराइरतिमैर
तीकज्ञोतिज्ञानिबी ५५ अथरायकाको
प्रछन्नश्रवदर्शनवर्वनैन दोहरा भूषहो
इजहावातिकी बिनुदेषेंतापीय सषी
सुनानैगुनश्रवन अंगअंगसजुजीय ५६
सवईया सोहदिवाइदिवाइसषीइक
कबारक कौंननआनिबमाए जोनैको
केशव कानननैंकितहूकवनैननिमा
रुसिपाए लाजकेसाजघरेईरहेसबनै
ननिलै मनहीसौंमिलाए कैसीकरौं
अबक्योंनिकसेरीहरेंहीहरेहियमेहरि

रसि
प्रि·

आप ८ अथ राधिकाको प्रकाससश्रवन
दर्शन कवित्त कैतौं पियेंकोंनरसरूप
कीउकैहे प्यारसकेसोदासकेसेमानेनेन
भरिवीन्नई वीरकीसौंमेरीवीरवारीहै
तूवारीं आंनिनैऊकरिहूसिहांबलाइने
रीलीनई वरसकमांऊपहवैस अलवे
लीवीतेंदेहे मघसखिनिह अबकौंनरी
जई परीलडवावरीअहीरि अैसोहूकि
यहनाहीं सोंसनेहूकीजेनाहूसोनकी
जई ९ अथप्रकाससकोप्रछनश्रवनदर्श
न कवित्त ॥ लंपटहैलोकलोकलीक
नडलेचीजाइ सबहीतंसमझावेनोहिस
मझावेको छोडनकहूतनतनकुटैला
जधनमीतरावैदोऊकोविटुकहावेको
सोचकोसकोचहूकोसरब पछिमपं
थुकेसोदासएककालएकजनोपावेको

उघसुघडरीउरांहुविहूंनेमेरेमनजैसी
सुनीतैसीनोहिगाखिनिदिषावैको १९
म्रथुहुलासकोप्रकासम्रवनदर्शनवर्न
नं कवित्त॥ निपटिकपटहरूपेमकोप्र
गटकरुवीसोविसे वसीकरउरमैंना।
म्रोनिय कांमकोप्रहरषनकोमनाको
वरषनकोन्हकोतंकरषनसबजगजांनी
य किधौंकेशोदासमहि मोहनीकोमू
घनहै किधौंव्रजवालनिकोहूघनवधांनी
य मनननंहीछूटैथांमवनवनडोलैस्याम
गधेनेरोनामकिऊचाटमंत्रमानीय २०
दोहरा दरशरमनरमनीवके कहेपर
मरमनीयप्रगटनप्रेमप्रभाव कहौंक
छूकमनीय २१ इतिश्रीमन्महाराजको
मारश्रीइंद्रजीतविरचितायांरसिकप्रि
यायांश्रीराधाहुलासजीकेप्रबन्धप्रकास

दर्शनवर्ननंनामवतर्थोप्रभावः ४ अथ
दंपतिचेष्टाप्रगटनवर्ननं ॥ दोहरा ॥ तिन
केचितकीजानिसषि पियसौंकहैसना
इ कहैसषीसोप्रीतमैं आपुनतेअकुला
इ १ अथनायिकाकीसषीकोवचनकृस्न
प्रति सवईया ॥ काल्हिकीग्वालिनोआ
जुंहीलौंनसम्हारतिकेशवकैसेहूंदेहसी
गेहजाइउदैकवहूंजारिजीउरह्यौकिर
हीरुचिरहै कोरिविचारिविचारतिहै
उपचारनिकेवरसैसषिमेहै कान्हतुरो
जिनमानैनतिहारीविलोकनिमैविस
वीसविसेहै २ अथकृस्नकोवचनना
यिकाकीसषीप्रति कवित्त ॥ प्यासहै
रहीउदासभागीभूषणहीत्रासकेशैदा
सनीदहूंकीनिंदानिनिंदानीहै मतिकौ
मत्रौनलेश्रविषाकीविदाई देउसोभासू

(१३)

नीसे २ सबसखसानीहै विससील गति
गीतिकेलिकीन पर नीतिप्रीति उरपाङ्ग
नीसीपचिपहिचानीहै नोविनकहैको
गाघपीरनाननांकेसाघमोहिकोमिला
वैहाघलाजकैविकांवीहै २ सवईया मे
उनकोननकोदधिबीनलियोसउन्है बङ्ग
रोषरह्योहै सोअबहनोदिवागकिचोरु
नोजैसोकब्रु अरुदेनोकह्योहै चूकपरी
बकसाउसके सावमेउनकौंबङ्कड खुद
ह्योहै लेङ्मिला३मिलावहिजोमखिते
रेकहैंमनमेरोगह्योहै ४ अथदंपतिचे
ष्टाउपजांवनवर्ननं दोहरा प्रियसौंश्रग
टिनप्रीतिकङ्कं जिननेकरहिउपाइ तेस
बकेशवदासकवि वरनौसवनिसुनाइ ५
दोहरा जवचितवैपियअननतहीं नवचित
वैनिरसंक जानिविलोकनिसुमुषीं अ॰

रसि
प्रि

13

लिहिलगावैग्रंक ८ दोहरा कवहूं काति
कंडूकरैआलसमैंश्रौंडाइ केशवदासविला
समैं वारवारजमुवाइ ७ दोहरा फूटेंहीहू
सिरुसिंडटे कहैसषीसौंवात ऐसेमिसंही
मिसप्रियापियहिदिषावैगात ८ दोहरा॥
यौंहीश्रीयप्रियांनिप्रति प्रगटितअपनीप्रीति
सोप्रछन्नप्रकासकरि वुधिवलकरतसमी
ति ९ अथराधिकाकीप्रछन्नचेष्टावर्ननं
कवित चोरिचोरिचितचितवनिमषमोरि
मोरिकाहूतेंहूंमतिहियेरपत्रवढायोहै के
शौराइकीमौंतजभांतिकहावारवारवीराषा
हूमेरीवीरप्रावसज्यौंश्रायोहै ऐंडसौंऐंडाति
अतिअंवरुउदानडरउचरिजातिगातछावि
छायोहै फूलिफूलिभेटतिरहतिउरफूलि
भूलिभूलिकहतिकछूआनकांन~~[illegible]~~
~~[illegible]~~ पायोहै १०॥अथराधिकाकीप्रका

(७८)

सचेष्टावर्ननं कवित्त ॥ मेरोमन्दचूंमेतेरीरुजी
साथहूं मिवेकी चाहै आमअसकौं सिरातप्या
सडाहै रू छोटे छोटे कर कहा छुवानि छवी।
लीछाती छावे जाके छाइवे कौं अभिलाष
बाढेहै रू षेलन जो आई होनो षेलो जैसें षे
लियनुके शोरा इकी सौतैं पकौंन षेलका
टेहै फूलि फूलि भेटतिहै मो हि कहा मेरी
मह्रू भैनै तिनैजाइ नेरिभेटिवे कौं टाढेहै
अथ कलसकी सक्र सचेष्टा वर्ननं कवित्त छो
रि छोरि बांधै पारा आरस सौं आरसी ले अ
न तह्री आन भांति देषत अनै सेहो नोरि को
रिडारत नि नूकानुम कौंन पर कौंन के परत
पाइ वाबरे ज्यौं अैसे हो कनहूं छुटकी दे
न वटाकि ज्ञावै कौं न मटाकि अैंडातजरि
ज्यौंजम्हानतै सेहो बारिवारि कौंन पर
देत मनि माला मो हि गावत कछू आज

(३०)

रसि
प्रि

१५

कान्हकैसेहैं॥ १२ अथप्रछन्नकौप्रकासवेषा
वर्नन सवईया जालगिलीवसुगाइनिदैदि
ननाचनचावनसीरूपद्याऊं केशवमेत्रकरेव
सिकारकद्यारकजेरकद्यालैगनाऊं द्यारिदैह
रिकेहूंमिलीनमिलाऊंजौनाहितौमोगोद्यपा
ऊं टोटीवैजाइमिलौमिलिवेकहु औरकद्याक
निओकरिलाऊं १३ अथस्वयंदूतलछनव
र्नन दोहरा जौकौहूनमिलेकहूं केशवदो
उईद तबआपुनतैआपुही बुधिबलहोतब
सीठ १४ अथराधिकाकौप्रछन्नस्वयंदूतत्व
वर्नन सवईया हरितेंदेषिवेकोंद्कैद्कैदीनमना
ईद्कनीलिषिहूंलिषिचीटी देषिमलोमनहोंही
मिलीमिलिषलिवेहूंकोंमिलीमतिमीटी अै
सेमेओरचलाईद्योकेशवकेसेहूंकान्हऊमावदे
टेरी द्कैद्कैनवारमृनालकेतारज्योंटूटैगीलाल
हमेतमेईटी १५ सवईया ब्रुवाजिनिहाथमो

हा सुहिये पलही पलवाढति पेमकला नजो
निजैजी मैकहा वहि जाइ चले सुनिकेशव कौं
नवला भलैजु भलैनिवहै सुभलीयह देषि
बेहूं कीहूलाई भला मिलै मन कौमिलिवोई
कहूं मिलियेन भलो कहिनें दहला १६ अथ
राधिका को प्रकास सुयंह तनवर्ननं सवईया
धाइन ही चवराई परी जु वप्राई षिलाई की ओ
षिवहाऊं पौरियै आवैरसौंपइते परऊं चोरु
नै सुमहाउ मपाऊं कौन्हु निवैर हुन्याइ नयो
इन आलिनि कौं लगि हौं बहिराऊं मो संग
पसव सोवन आवैं कि हौं इनके संग सोवन जा
ऊं १७ अथ कृस्न कौ प्रछन्न सयंहतन वर्ननं क
वित्त आपनै ही भाप के पसोहत सरी कसे
वेके सेग दास दास ज्यौं वलन विवलीनै है आ
पुंही अदाऊ कै नौलेन नाम मेरा वै नौ वाउरे
मिलाउ के सला पकरि हौनै है राधिकैं सुना

रसि
प्रि

15

इकैकहूतेऐसेहुतस्यांमसबलकोलैलै
नांसुकांसुभयंभीनेहैं संगकेसषनिग्रब
छाडोवनजैवोहमषेलिवेकोंसंगसषा
साषास्मगकीनेहैं १८ अथहंसकोंप्रका
सस्वयंहतनवर्नने सवईया बनजैयेवतो
कोउदालीहैकेशवहैंतौहमहेतअतोरीअरि
हो कलुषालियेषेलिनआवत आजहीसु
लोनसस्योगवेषरिहो हितहेहियेंमेकि
पौनाहीनतजहिनोहोहियेनेललालरि
हो हमसौंछमटूकियेऐसीकहोजकहोतो
कहीबकहाकरिहो १९ अथकवित्त केशो
दासघरघरनाचतफिरतगोपषकपरेछाकि
नेमरेईगनियतहै वाकनीकेबसबलदाऊ
अपसषासबसंगलेकोजैयेउषमीसभनि
यतहैं मोहितोगपहीबनेदीहदीपमाला
पास्याइनसंवारिवेकोंचित्रनियतहै जो

नवसौलोलनैनिलेहवांमरहैं सवघरके
घेरैई आजुसुंनै सुनियतहै २० अथकुदाल
यंहूनतनभंवतिताल छुनवर्ननं दोहरा॥
कुदाअनिइहिभांतिकरि वहुविधिहिननि
जनाइ आपुनंहीतेलाजतजि पतिहिमि
लैअकुलाइ २१ अथकुदाअकुलावनस
षीप्रति कवित्त पंथनथकतपलमनो
रथरथतिकेकेशोदासजगामगजैसेगाए
गीतमे पवनविचारिचक्रचंक्रमनिचित्त
चटि भूतलअकासभ्रमैगामजलसीतमै
कौलैराषेषिरुवपवापीकूपसःसम
हरिविनकीनेवहुवासरविनीतमे गपांन
गिरिफोरिनेरिलाजनरुजाइमिलौंआपु
हीतेआपगाइरोंआपनिपिप्रीतमे २२ अथ
कुदाखयंहूनतनवर्ननं सवईया॥ जातभई
मंगजातलेकीरतिकेशवहैकलसौंहिवफ

रसि
प्रि

सो गर्वगयो शनजो बन्नूपको गुनमतो प
लहीपलघडो कोन्हन्निहारी पग्रंत न किये
कहौं लाज सौं नीकी होनातोई तूं सो ब्बाडे सो
सवे मूसहेरि तम्हें तमपेननको कपटो नहि
लूतो २३ अथ अन्यसुरतिदुःखितहनतमवेनिता
वर्ननं दोहरा अधिक अनूढा लाजतें पि
य पहिजाइनआप कौं हूं करिमषिये कहै
तो केमनकौं ताप २४ अथ अनूढा केमन
कौ तापहुलसप्रतिसषी को वचन मवई या
जोने को केशव कौने कलो कबकौं न्हह मा
रेहिं डोरनिऊले पाननघाइनपान्यो पिये
नवनतेभरिअंषिनिलेतसम्हले जाइनहीं
चलिवेगवलाइ श्लों लेहीमकेलिकहायह
म्हले जानननहींवहकामकलीऊं म्हिलाइग
येवहसौं फिरिफूले २५ अथ प्रथममिलन
स्थानवर्ननं दोहरा जनीसहेलीपाइबर

(९६)

सोनेरनिसचार अतिमयउत्सवव्यापिमि
स मोतेविपनविहार २६ दोहरा इनहीं
दोरनिहोनहू प्रथममिलनसंसार केशव
राजारंककौरचराणोकरनार २७ अथराज
नीकेचरकोमिलन॥कवित्त वेणुकेऊमा
रिकाकोरजनकीऊमारिकांनिमोऊसाक
केशोदासचासपगपेलिकै कांमकीलता
सीचपलासीकामअबलासीराधिकाकेउ
डिवलकंरभजमेलिकै दोरिदोरिहरिड
रिसरिप्रतिअभिलाषलाषलासभांतिकीअ
रूपरूपकेलिकै जनीकेअजिरआजरजनी
मेसजनीसांचीकीनीस्यामचोरमिहचनी
सेलिकै २८ अथसहेलीकेचरकोमिलन
कवित्त नैननिकेतारनिमैराषोप्यारेपूत
रीकैमुरलीज्योलाइराषौदसनवसनमैं रा
षौभुजवीचवनमालीवनमालाकरिचंदन

न्यों चवन वधूराइ राघो मन मैं केसौराइ कल
के टराघो बालिकतूला के करम करम के हूं
आनी है भवन मै चंपककली ज्यों कान्ह सूं
छिदेह देवता सी लेऊं प्यारे लाल इन्हें मेलि रा
धो मन मै २५ अथ धाइ छव को मिलनु क
वित्त ॥ हसत खेलत खेल मंद भई चंद दुति क
हति कहानी अरु बूफति पहेली जाल के
सौ दासनी दवसि अपुने अपने घरहरैं ह
रैं उटि गई बालिका सकल बाल घोरि ठ
हे गगन सघन चन चहूं दिस उटि चले सांम
याइ बोलि उटी तिहिं काल आपी राति अपि
क अंध्यारे मां फजै हैा कहो राधिका की आ
यी मिज पौ ढि रहौ प्यारे लाल ३० अथ सू
ने घर कौ मिलन कवित्त देखत ही चित्र सू
नी चित्र साला बाला आज रूप की सी माला
राधा रूप क सह्ला परी नूपुर के सुर ते अनूप ह

(१८)

पताने लेति पगतल ताल देति अति मन
भापरी ऐसे मैं दिषाई दीनी औव कोऊवर
कोन्है जे सभ पगात ते सेजा तन न वनापरी
के सैादा सकहै परे अलजस लजसैन जल
जसैलोचन जलद सेह्वै अपरी ३१ अथ निस
च रेके घर कौ मिलन ॥ सवईया ॥ एक समै स
व देषन गोकुल गोपी औ ग्वाल सम्हूह सिपाप
राति ह्वै आई चले घर कौं दस हू दिस मेहम
ह्यामरि आप हमरै वो लहीं नो सम के क
हि के सव यौं छिन मे तम छाप ऐसे मैं स्यां
महजीं न वियोग विदा के दिये स कियेमन
भाए ३२ अथ अति भय कौ मिलन कवित्त
जानी आगि लागी हरु भौंन जु के भौंन मां
हि सवै ब्रजवासी चटे वहूं दिस धाइ के जहां
तहां सोरु भारी भीर नर नारिन की सव ही
की छूटि गई लाज हाइ भाइ कै ऐसे मैं ऊवर

रसि
प्रि

18

कांन्हसारोसंकवाहिरेकौराधिकाजगाई
औरजुवतीजगाइकै लोचनविसालचारुचि
वुककपोलचूंमिचंपेकीसीमालालंलीनी
उबलाइकै २२ अथप्रछन्नवकोमिलन कवि
त बलकीबरसगांठि ताकीरातिजागिबे
कों आईहजसुंदरीसंवारतनसोनैसो
केषोदासभीरभईनंदजूकेभोनतिमेंम
हि अथप्रगटयवश्लोनकहूंकोनैसो गा
वतबजावतनाचतनानारूपकीरजहांक
हांउपजत आनंदकोऔनैसो सामले
कीसूंनीसेजसोइरहीराधिकाजूसोप औ
निस्यांमलेङमांनिमनगोनैसो २४ अथ
व्याधिमिसकोमिलन सवईया ॥ सोपनिदां
ननिदांनदएउपचारविचारकेरैनपिरांनी
वेदकी सासनिव्याधिविनासनिहोमकहूका
सनिहूंनहिरांनी केशवकेहूंबलैबालिवा

लतदीनभईहषभांनकीरांनी आपहे
भेटिमहूकरिकैबहूहैंाउनकेवहपीरषि
रांनी ३५ अथन्यौतेमिसकौमिलन॥
कवित्त॥न्यौतिकैबुलाइहूतीबेटीहष
भांनजूकीजेवेकौंजसोपारांनीआनी
हैसिंगारिकै भोजनकेभवनविलोकि
बेकौपानषातरुपरअकेलीगईआन
दविचारिकै देषतदिषनहरिभांवतेकौं
भांगीदूषिदैरिगहीबालषेमीबेनीउ
रुडारिकै भेटिभरिअंकमनभायौकरि
छाडोमषकेसरसौंमांडिलीनीवेसरि
उतारिकै ३६ अथविपनविहारकौमिल
न सवईया देहरीकालिगईकहिदेनप
मावहूजेलभरौपुनिफेटी छांडोनहीम
गछांडेजौयापैछुडावेविलोकनिलाज
लपेटी वातसंम्हारिकहौमानिहहैकोईजा

ननहोयहकौंनकेवेटी जांनतहैंहमभांव
कीहैपरितोहिनजांनतकौंनकीवेटी ३७
अथजलविहारकोमिलन दोहरा रि
तुग्रीषमह्मषकोतरुन रतिपतिकेअति
सैन जलक्रीडाप्रीतमसमिलेतिन्हेसदासु
षदैन ३८ सवईया रितुग्रीषमकीप्रति
वासरकेशवषेलतहैजमनाजलमें इतगो
पसुताउततेंरगोपालविराजतगोपन
केगनमें अतिबूडतिहैगतिमीननिकी
मिलिजाइउठैअपनेथलमे इहिभांतिम
नोरथपूरिरुप्रौजनहरिरहैछविसौंछ
लमें ३९ अथसरोवरतटहरिराधिकाटाटे
हाथसोंहाथछुयेंरसिविहारकोमिल
न सवईया हरिराधिकामानसरोवर
केतटटाटेरीहाथसोंहाथछुयेंपियके
सिरपागप्रियासकताछबिछाजतमालइ

हूंनिहियें कटिकेशवकाछिनीमेनक
छेसबहीननचंदनचित्रकियें निकसे
छिनछीरसमुद्रहूंतेसंगश्रीपतिमांनहु
श्रीहिलियें ४० दोहरा राधाराधारसिक
केवरनेमिलनविसेषि केशवदासवि
लाससों बहुविधिलीजौलेषि ४१ इति
परकीयासमाप्त दोहरा औरजनतरुनी
नीसरीकौंवरनौंशक्तिदोर रसमैविरस
नवरनिजैकहतरसिकसिरमोर ४२ दो
हरा प्रथममिलनमैंकहे प्रछनीमच
लतिप्रनसार भावहावबरननकरौं स
निप्रबबहुतप्रकार ४३ इतिश्रीमन्महारा
जकोमारश्रीराधाकृस्नकेमिलनस्थानवे
र्णावर्ननेनामपंचमप्रभावः ५ प्रथमा
वलंबनवर्ननं दोहरा॥ आंननलोचनव
चनमग प्रगटतिमनकीवात नाहीसोंसब

(२०)

बढ़तहैं भावकबिनकेगात १ दोहरा भा
वनेपांचप्रकारके रतिविभावअनुभाव स्था
ईसात्तिककहतहैं विभिचारीकविराव २॥
दोहरा जिनतेंजगतअनेकरस प्रगटहोत
अनयास तिनसौंहमतिनिभावकहिवरन
तकेशवदास ३ दोहरा सोविभावदुइभां
तिके केशवदासवषांनु आलंबनइकहस
रेउद्दीपनमनमांनु ४ दोहरा जिनहिअत
नअविलंबई तेआलंबनजांन तांतेयहैं
तिलोकमैं केशवदासवषांन ५ अथआ
लंबनउद्दीपनलक्षनवर्नने॥ अथआलं
बनस्थानवर्ननं छप्पै दंपतिजोबनरूप
जातिलक्षनजुतसषिजन कोकिलकलित
वसंतफूलफलदलअलिउपबन जलचर
जलजुत अमलकमलकमलाकमलाक
र चातिकमोरसशब्दतडितघन अंबुदअं

बर स्रमसेजदीपमैांगपघरषानपानष
रपानमनि नवन्दतमेदवीनादिसब आ
लंबनकेशववरनि ६ दोहरा अथउद्दीप
नकथनं ॥ अवलोकनआलापपुनि परि
रंभननषरदंशन चुंबनादिउद्दीपनै म
र्दनस्परसपर्मांन ७ अथअनुभावकथन
वर्नंन दोहरा आलंबनउद्दीपके जेअनक
रनवषांन तेकहियेंअनुभावसब दंपतिश्री
तिविधांन ८ अथस्थाईभावलछनवर्नंनं ॥
दोहरा ॥ रतिसहहासअरुसोकपुनि क्रोध
उछाहकहिजांन भयनिंदाविस्मयसदास्थाई
भाववषांन ९ अथसात्विकभावलछनव
र्नंन दोहरा स्तंभस्वेदरोमांचसुर भंगकंप
वैवर्न्य अश्रुप्रलापवषांनिजे सात्विकभाव
अनेंग्य १० अथविभिचारीभाववर्नंनं दोहरा
भावसबहीरसनिमें उपजतकेशवआई

रसि
प्र०

बिनानैंमित्तिनसौंकहत बिभिचारीकबिरा
इ ॥ दोहरा निर्वेदग्लानिसंकातथा आ
लसदैनजमोह स्मृतिधृतब्रीडाचपल स्रमम
दचिंताकोह १२ दोहरा गर्वहर्षआवेगसुप्ति
निंदानींदिविषाद जडताउत्कटासहित स्व
प्नप्रबोधविबाद १३ दोहरा अपस्मारमतिउ
ग्रतात्रासतर्कअतिव्याधि उन्मादमरनभय
आदिदै बिभिचारीजतआदि १४ अथहावल
छनवर्ननं दोहरा ॥ अनुरागिकाकुसकौ तो
तैहैस्रंगार तोकेभावप्रभावतैं उपजतहाव
बिचार १५ दोहरा हेलालीलाललितमद
विभ्रमविहितिविलास किलकिंचितविब्ब
तअरु कहिविबोकप्रकास १६ दोहरा मोट्टा
इतकुट्टमित बोधिकादिबहुहाव अपनै
अपनैबुधिबल बरनतकबिकबिराव १७ अ
थहेलाहावलछनवर्ननं दोहरा सुबनसे

मघलापतेंभूनललाजसमाज सोहेलाजि
ह्लिह्रनह्लिय राधाश्रीहजराज ९ अथराधि
काकोंहेलाह्लाववर्ननं सवईया अवलोक
नअंउसअंच अनूपमभूजगपासभलैंगलिमे
ली सडह्लास सुवासुउटाइ मिलीवहजोन्ह
कीजामिनिमांकअकेली अपरामधुपाइ
कियेवसिकेशवराइकरीरसरीतिनवेली व
नैमेहषभानसुतासुषही हरिकोंहविलेग
ईहेलांहीहेली १४ अथकुसकोहेलाह्लाव
वर्ननं सवईया वैनसुनाइउलाइलरें भव
भौंनभुलाइकैभांतिभलीकों फूलिगयोम
नुफूलोविलोकितकेशवकाननुरासिथली
कैं रूपमहामधुपानकराइकियोपरिरंभ
नकामकलीकों हेलांहीश्रीहरिनागरश्रा
जहलोमनश्रीहषभानललीकों ९ अथली
लाह्लावलक्षनवर्ननं दोहरा करतजुहांलीलां

रसि
प्रि

निकौ प्रीतम प्रिया बनाई उपजत लीलाहा
वत हि बरनत केशवराइ ॥ अथ राधिकाकौ
लीलाहाव सवैया पाइनिकौ परिबौ अप
मान अनेक सौं केशव मान मनैबौ सींटें न मो
रुषवाइबौ षैबौ विसेषि चहूं दिसबौ किवि
नैबौ चीर कुचीरनि कु परपोटिबौ पानहि केष
रकैं भगिबैबौ आषिनि मूंदिकै सौ षति राधि
काऊं जनितें प्रतिकूं जनिजैबौ २२ अथ कृसको
लीलाहावनवर्ननं सवईया कौकिकरोषनि मै
चति कुंचे अवास निकुं परि देषन पावै निंदत गोप
चरित्रनिकौ कहि केशव ध्यान कै कै गुन गावै वि
रत चित्र मे आइ ये अवलोकित आनंदसौं उ
रलावै आंगन तें घर तें फिरि आंगन तें फिरि औ
गन ग्राम कौं सषी यौं विरमावै २३ अथ ललित
हाव लछन वर्ननं दोहरा ॥ बोलनि हसनि विलो
किबौ चलनि मनोहर रूप जैसे तैसो बरनिजे

ललितहावग्रानूप २४ अथराधिकाकोल
लितहाववर्ननं कवित्त कोमलविमलम
नविमलासीमखीसाथकमलाजैसोंलीनेहा
थकमलसनालके नूपरकीधुनिसुनिमो
रैंकलहंसनकेचौकिचौकिउठैचारुचेटु
आमरालके ऊचनिकेभारकचभारतिस
ऊच भारलचकिजातकटितटबालकें ह
रैंहरेंबोलतविलोकतहसतहरैंहरेंचलत
हरतिमनलालके २५ अथकृस्नकोललि
तहाववर्ननं सवईया चपलापटु मोरकि
रीटलसैमधुवायनसोभवदावतहै म्रदुगा
वतआवतबैनबजावतमित्रमयूरनचावत
है उदिदेखिभटूभरिलोचनचातिकवित्त
कीतापबुझावतहै घनस्यामघनाचनवे
लिधेजवनेवननेब्रज आवतहै २६ अथम
दहावलछनवर्ननं दोहरा स्रवनप्रेमधनाप

रसि
षि

23

नें गर्ड्ड बढ्यौ बहुभाव तिनके तरुन विका
रनें उपजत है मद ह्राव २७ अथ राधिका कौ
मद ह्राव वर्ननं कवित्त छवि सों छबीली छब
भानकी कुमारि आन रही है तौ रूपमदमान
मद छाकि कै मारहू तें सुकुमार नंद केकु
मार ताहि आपरी मनाव न सयांन सबनकि
कै हसि हसि सों है करि करि पोइ परि परि कै
षेगराइ की सों जब हरे जिय जकि कै ताही
समें उठे चन चोरि चोरि दामनी सी लागी लो
टि सां मचन उरसें लपकि कै २८ अथ कृस
कौ मद ह्राव वर्ननं सवईया मन्हि मोहनी मा
हि सकै न सषी चपलाचल चित्त वषानत है र
तिकी रति के हूं न कों निकै रंडति चंद कला
घटि जांनत है कहि कै शव और की बात क
हा रमनी पर माहूं न मानत हैं वृषभांन सुता हि
त मन्न मनोहर औरहि डीटिन आनत हैं २९

अथविभ्रमहावलछनवर्ननं दोहरा ॥ वाक
विभूषनप्रेमतें जहांहोंहि विपरीति दरस
नसतनमनरसित गनिविभ्रमकेरीति ३०
अथराधिकाकोविभ्रमहावर्ननं सवईया
कटिकेतटहारुलपेटिलयोकलाकिंकिनि
लैउरसोंउरमाई करनूपुरसोंपगायोंवीब
नी श्रेणियासषिअचलकीविसराई करि
अंजनअंजितचारुकपोलकरीजनतजावक
नैननिकाई हनिश्रावनतश्रीब्रजभूषनभू
षितहीउठदेषनधाई ३१ अथकृसकोवि
भ्रमहावर्ननं सवईया नंदनंदनषेलतहे
वृनेगातबनीछविचंदनकेजलको हूष
भांनकुमारिविलोकतहीरुचिविभ्रमैवि
भ्रमकीफलकी गिरिजातनजानतपांन
निषान विरीकरपंकजकेदलकी विहू[illegible]
सवगोपसुताहरिलोचनमूंदिसुरोविहगो

चलकी ३२ अथविहृतहावलछनवर्नने ॥
दोहरा ॥ बोलनकेसमयविषै बोलनदेइन
लाज विहृतहावनासोंकहतकेशवकविक
विराज ३३ अथराधिकाकौविहृतहावबर्न
नै सवईया मेरेकहेदहिजैजतनहिरिसीब
मज्यौंहठकादटहौगी पैरिवप्रेमसमुद्रपरा
पैंकरापकैरहतकौनिविहौगी हौसमरैं
सजनीसिगरीकबहूंहरिसौंहसिबातकहौ
गी पीजियकीचित्रसारी चटीचित्रकीपुत्री
भईकौंलौंरहौगी ३४ अथकृस्नकौविहृतहा
ववर्नने सवईया ॥ केशवराइसौं आजसखी
वृषभानकुमारिउरोहनौदीनौ गारिदईअरु
मारिदई अरविंदनिसौंमनकैहितहीनौ सी
सदईसबपाईउरलाइसुगंधचढाइनवीनौ उ
नदेइकोनंदकुमारकछूमिरनीबेतेउचानकी
नौ ३५ अथविलासलावलछनवर्नने दोहरा

षेलतबोलतहसतअरु चितवतचलतनएककाम
जलथलकेशवदासकहि उपजतविविधवि
लास ३९ अथराधिकाकोविलासहावबर्ननं
कवित्त ॥ किलकतअलिकजतिलकविलक
मिसिभौंभौंहनमै विभ्रमनिभौंनभेदरीनेहैं
लोचननिसोंचनसकोचुननचावनहैंदसनच
मकहीचकितकीनेहैं मंदहासमुषवासअ
नयासदा सकरलीनेकेशोराइजियजघपि
प्रवीनेहैं मोहनकेतनमनमोहिवेकोमेरी
सषीतेरेमुषसुषहीअनंतवतलीनेहैं ३०
अथहुलसकोविलासहावबर्ननं कवित्त जिनि
ननिहारेतेनिहारतनिहारिबेकौं काहूननि
हारेजिनिकैसेहूंनिहारेहैं सुरनिरनागन
वकेनवनिकेप्रानपतिपतिदेवतानिहूकेहिय
निविहारेहैं इहिविधिकेशौराइरावरेअसेष
अंगउपमानउपजीविरंचिविपविहारेहैं रुपमद

25

रसि
प्रि॰

मोचन मदनमदमोचनकितियमदमोचन
किलोचनतिहारीवैहैं ३८ अथकिलकिंचनहा
वलक्षनवर्ननं दोहरा ॥ श्रमअभिलाषहगा
रवस्मित क्रोधहरषभयभाव उपजतएक
हिवारजहं किलकिंचतपहाव ३९ अथराधि
काकोकिलकिंचितहाववर्ननं सवईया ॥
कौनेंरमैंबिलसैलषिकौनहिकापरकोपि
केभौंहचढावै भूलनलाजमहूकबहूंकब
हूंमुष अंचलमैंबदुरावै कौनकीलैतिब
लाइलैंतेरीदसाकहिमोहिनआवै ऐसीतो
तूंकबहूंनभई अबतोहिदईजिनिबाइल
गावै ४० अथकृस्नकोकिलकिंचितहावव
र्ननं ॥ सवईया ॥ ऐसीहैगोकुलकोकुलकी
जिनदछिननैनकिपअनकूले पंजनसेमनरं
जनकेशवहासविलासलनालगिफूले बो
लैफुकौंउककोअनबोलेफिरोविककेसहिये

महफूले रूपभयमदकेबस ऐसेहैकोंन्द
कहौरसकौनकेमूलै ५१ अथविधोकहाव
लछनवर्नने दोहरा॥ रूपप्रेमकेगर्वतेंकप
टअनादरहोइ तरुउपजतिविधोकरस यह
जानतसवकोइ ५२ अथराधिकाकोविधो
कहाववर्नने सवईया आवतजानिकेमो
इवहीहरुपंहरिआपनजातिजगाई साह
सकेउरमद्धिपस्योकरुजागतिरोमकीरोवि
जनाई नीविविमोवितचैकिउठीपहिचा
निफुकीवतियाकहिबाई वासरगाईगवा
वचरावनआवतहैनिसिसेजपराई ५३ अथ
कृस्नकोविधोकहावलछनवर्नने सवईया
एकसमैंरकगोपीसोकेशवकैसहूहांसीकी
वातकही जाकहतानदईनजितहिकहा
हमसोरसरीतिनही सकोपतिउत्तरदेरस
सीहगआसनिकीअवलीउमही उवलाइलई

रसि
प्रि

अकुलाइतऊ अपराधनकैलौंहिलकीनरही ४४
अथविब्बोकहावलछनवर्ननं दोहरा अभि
नअभिषिबेकौंजहां होतअनादरआनि तहां
विब्बोकविचारिजै केशवकहतबषानि ४५
अथराधिकाकौविब्बोकहाववर्ननं सवई
या तनआपनेभापंसिंगारोसिंगारिनहैंपसिं
गारसिंगारेहथोंही ब्रजभूषननैननिभूष
है जाकीसुतौपत्रभूषउतारेनजोंही सब
होतसुगंधसुगंधनहीतेसुगंधसुगंधमैंजे
सैंसुभांही सषीभूषनहैसबहोतीभूषित
भूषनतैंतुमभूषितनांही ४६ अथकसकौ
विब्बोकहाववर्ननं सवईया पांननषापनषा
गरचीपलटेपटचित्रकहापरिकै कंटसिरी
बनमालमनोहरुहारुउतारिधरे अरिकै चं
दनचित्रनिलोपिसुलोचनलोलविलोचनि
सौंलरिकै अंगसुभाउसुबाससुप्रकासितलो

पिहौकेशवकौंकरिकै ४७ अथमोहाय
तिहावलछनवर्ननं दोहरा हेलालीलाक
रिजहांप्रगटतसात्विकभाव बुधिबलरोकि
तसोभिजेकहिमाटायतिहाव ४८ अथरा
धिकाकोमोहायतिहावर्ननं कवित्त लेषतहे
हरिभागेवनेजहांबैटीत्रियारतितेंअतिलौं
नी केशवकैसेहूंपीटिमैंडीठिपरीऊचकेक
मकीहविरौंनी मात्तसमीपउवाइमलैंविन
सात्विकभावनिकीगतिहौंनी भरिकसर
कीछरिविलोचनसंविसरोरुहशेहीउटौंनी
४९ अथमोहायतिहावश्रीकृसकोवर्ननं
सवईया ॥भोजनकेरिषभांनसभामहिंबैटे
हैनंदसदासुषकारी गोपसबैबलवीरवि
राजतषातबनाइविरीगिरधारी राधिकाको
कीफरोषनिकोंकसीलागिगिरेमुरफाइवि
हारी सोरभपंसमकेसऊचेहरवाइकसोह

रसि
प्रि

रिलागीसुपारी ४० अथअज्ञहमितह्वावलक्ष
नवर्ननं ॥ दोहरा ॥ केलिकलहमैं सोभिजे के
लिकपटपहुरूप उपजनहेतहांअज्ञहमितह्वाव
कहतकविभूप ४१ अथराधिकाकोअज्ञहमि
तह्वाववर्ननं सवईया पहिलैंहरिदूरिचली
उदिपीठिहमैंचितईसषिनैंननलषीरी भुनिया
इधरीहरिज्ज्कीभजानितेंछूटिबेकोवडुभो
तिकषीरी केऊचंपीडनदेतनषछ्तवेरिन
कीमरजादनषीरी फिरताहीकोंपानषवा
वतिहैउलटीकछुप्रीतिकीरीतिसषीरी ४२
अथकामसकोअज्ञहमितह्वाववर्ननं सवईया
देषतहीजिनमौंनगहीअरुमानतजीकटुबो
लउचारे सोंहहैंकिपंह्वनसोंहैंकिसेंमनद्दा
वमनहारकिपहूंतसूपोनिह्वारो ह्वाहाकेद्दा
रिरहे हरिकेशवपांइपरे जिहिलाननिमारे
मेडतहेमघताहीकोंअंकलेहैं कछुप्रेमकेपा

रतिनाते ५३ अथ बोधकहावलछनवर्न
नं दोहा॥ सूछमभावकेबोधजहं केशव
औरैहोइ तासौंबोधकहावसबकहतसया
नेलोइ ५४ अथराधिकाकौबोधकहावव
र्नने सवैया॥ बैठीहुतीवृषभानकुमारि
सखीनिकीमंडलीमंडप्रवीनी लैजुमिलो
नोसोकेजपरीइकपाइनिआइरुआलिनबी
नी चंदनसौंछिरकौउदहिवाकहपानदीप
करुनारसभीनी चंदनचित्रकपोलविलो
पिकै अंजनआंजिविदाकरिदीनी ५५ अथ
कृस्नकौबोधकहाववर्नने सवैया॥ सखि
मोहनगोपसभामहिगोविंदबैठेहुतेडुति
कौधरिकै जनकेशवपूरनचंडलसेचित
चारुचकोरनिकौहरिकै तिनकौंउलटोक
रि आनिदियोकिहूंनीरजनीरनपभरिकै
काहिकारुहेनेकनिहारिमनोहरिफेरिदियो

र सि
प्रि

कलिकाकरिकै ५६ दोहरा॥राधाराधारव
नके कहैजथामतिहाव हिटई केशवदासको
समफहुकविकविराव ५७ इतिश्रीमन्महारा
जकौमारश्रीइंद्रजीतविरचितायांरसिकप्रि
यायांश्रीराधामाधवजीकेहावभाववर्नंनंना
मषष्टोप्रभावः ६ अथअष्ट— नायकालछ
नवर्नंनं दोहरा॥ प्रथमजितनीनाइकावरनी
मतिअनुसार केशवदासवषानिजोअवधिव
लआटप्रकार १ दोहरा अथअष्टनाइकाभेद
वर्नंनं स्वाधीनपतिकाउत्कयावासिसज्जाका
म अभिसंधितावषांनिजोअवधिबलआटप्र
कार औरषंडितांबाम २ दोहरा॥केशवप्रोषि
तप्रेयसीलषाविप्रलब्धाति अष्टनाइकापसक
ल अभिसारिकासजाति ३ अथस्वाधीनप
तिकालछनवर्नंनं दोहरा केशवजांकेगुनव
ध्यौसदारहैपतिसंग स्वाधीनपतिकाहोइ

५८

सो बरनत प्रेम प्रसंग ५ अथ प्रछन स्वाधीन
पतिका वर्नन सवईया केसव नजीवन जो
हुजको निजि जीव हूते अति क्षप हि भावै जाप
रि देव अदेव ऊ मारनि वारस म्राइन वारल
गावै ताहू रिषे लगे वारि की वेटी महावरु पा
इ फवांइ दिवावै हौ तौ वची अव हासनि हू
ऐसे प्रीतम जू देषे तौऊ तरु आवै ७ अथ प्रका
स स्वाधीन पतिका वर्नन कवित्त ॥ चोली को
सो धोन तो हि करत संवारि वोई दर्पन ज्यों तो
हीमो कल्मूरति समांनी है तेरे मनोरथ भरी
रघुवर प्यापीछे डोलत गुपाल मेरो गंगा को सो
पानी है तेही तिय देवता पै पायो पति के शैगरा
इ पतिनी बहुत पति देवता वषांनी है ऐसी
वा ते कौन जन मांनी है तिमेरी रांनी उनके तो
तेरी वानी वेद की सी वांनी है ८ अथ प्रउकाल
छन वर्नन दोहरा ॥ कौन कहे तन आइयो श्री

(९९)

रसि
प्रि

तमजोंकेधाम ताकोंसोवृत्तिमोचहियकेशवउ
त्काबांम ७ अथप्रछन्नउत्काववर्नन कवित्त क्रैधौं
गहकाजकेधौंकाहूसोमधामसमाज्ञकिधौंकछुआ
जुगुनवासरविभानतें दीनोतेंनसोपुकिधौंका
हूसोंभयोविरोधुउपजोंअवोधुकिधौंउरअवया
ततें सुषमैनदेहुकिधौंमोहूसोंकपटनेहुकिधौं
देषिमेहु अतिडरेअपरातितें किधौंमेरीप्रीति।
कीप्रतीतिलेतकेशोराइ अजहूंनआपमनमहु
पौंकोंनेवाततें ८ अथप्रकासउत्काववर्नने सव
इया ॥ सुधिभूलिगईभलपकिधौंकाहूंकिभले
ईडोलतवाटनपाई भौनमपकिधौंकेशवकाहू
सोंभेटभई कोउभामिनिभाई आवतहेमगआ
इ गएकिधौं आवहिरोसननीसुषदाई आपन
नंदकुमारसवारसकौंनविचार अवारलगाई ८
अथवासकसज्जालछनवर्नने दोहरा वासक
सज्जाहोइसोकहिकेशवसविलास चितवैवति

(२०)

गहहारतें पियआवनकीआस १० अथ
प्रछन्नवासकसज्जावर्ननं ॥ कवित्त ॥ वंदन
विटपवसुकोमलविमलदललितबलित
लतालपटीलवंगकी केसोदासतामैंडरी
दीपकीसिषासीरोरिडरावतिनीलवास
जातिअंगअंगकी पौनपानपंछीपसुवास
मैंसबदसुनितिततित चौंकिचौंकि चाहैचौं
पंसंगकी नंदलालआगमविलोकेंजजजा
लबाललीनीगतितिहिकालपिंजरपतंग
की ॥ अथप्रकासवासकसज्जावर्ननं सव
ईया भाषतिहैसषवैनसषीनसौंलाषविषैं
अभिलाषनियोहै कोमलहासनिनैनविला
सनिअंगसुवासनिकैमनमोहै मूरतिवंत
किधौंतुलसीवनमैंरतिमूरतिकोहै जेजे
विराजतिगोपवधूकमलाजनुकंजजटीम
हसोहै १२ अथअभिसंधितालछनवर्ननं दो

(१०६)

२ स्रि
त्रि

हरा मानमनावनहूं कौं रे मोन दकोअपमोव
हूंनोइ स्रुतिनविनलगे अभिसंधितावषोन
१३ अथमल्कनअभिसंधिनावर्नने कवित्त॥
बारबारवोलेजबवोलेमोन ब्रिह्हसितबबा
लकजैंवोलिवेकोंहलनविललातहै ज्यों
ज्योंपरेपाइनिसोंपाहनतेंपीव भयोहोवक
हाकिपंअवमोषमसोगातहै केशोदासस
बक्काडिंकीनोहहहूंमोहेतनाहूंक्काडिजिय
जियविनकहाजातहै श्रैसप्यारेपियहूंको
मानमनायो मनश्रैसीतोहि वूभिपक्
पीकोपछितातहै ४४ अथप्रकासअभिसं
धितावर्नने सवईया पाइपरेहूंनपीनस
मोकहिकेपावकेहूंनमेंहगंदीनी तेरीस
षीसिषमीषीनपकहूंनमेंहगंदीनी तेरी
सषीसिषसीषीनपकहूंरोषहूंकीसिषसी
षजंलीनी चंदनचंदसरोजसमीरजरेंडप

देह्रभईस्नघंहीनी मैंउलटीजकरी विधि
मोकह्नयोंरनिह्नीउलटीविधिकीनी ५५
अथखंडितालछन दोहरा भावनकहिआ
वैनह्री आवैषतमषात जोकेचरमोखंडिता
कहैसबह्नविधिबात ५६ अथसछनखंडि
तावर्ननं कवित्त आषनिमेंसलफननकों
ननितिनेसहनियत्तजैसेकेसोराइनमलोकनि
मैगापह्रो वेसकीविमारेसपिकाकजेोंछु
नत्तफिरोजतूटेमीटेसीघसटईटलीटटाप
ह्रो ह्रविह्रविकरनंह्रीदेरिदेसिगह्रोपार
जांनेनउटोरटोरजानिमियपापह्रो का
कोंचरचालिबेकोंबसेकह्रांचनसोमतुहे
जेोंतुमसनयानमेरचरआपह्रो ५७ अथघ
कामपंडितावर्ननं सवईया आजुकेष्व आषि
योंहरिमोरसीमांनोमह्रावरमाह्रिरंगीहैं
मोह्रनमोह्रीमीलागतिमोह्रिरतेपरमोह्रन

(६३)

रसि
प्रि

मोहि लगी हैं मेरी सौं मोहू सौं मांनहु वेगि॰
हि पर सरोस की री निजगी हैं मेरे वियोग के
नैन तची किधौं केशव काहू के प्रेम पगी है १८
अथ प्रोषित प्रेयसी लक्षन वर्ननं दोहरा ॥
जाको प्रीतम मदेश्रवपि गयो कौंनहू काज ता
कौ प्रोषित प्रेयसी कहि बरनत कविराज
अथ प्रछन्न प्रोषित प्रेयसी वर्ननं सवईया ॥
केशव के सं हू सब बंधु न मिल्यो मन भाव तौ
भाग भसौ री जोन को माई कहा भयो कौ
हू औ आधि कौ आभु कं षौं सट सौ री ताकहु
नैन अजों हसि बोले जऊ मेरे मोहन पांइ प
सौ री काटहू गेह टूते राक टोक रते विरहा
न लहू न जसौ री २० अथ प्रकास प्रोषित प्रे
यसी वर्ननं सवईया आधि दे आप उ हां उन
मैं यह भोजन के सब हीं हम भैये है ताकहू तौ
अब लौ बहराइ के राषी बस्याइ सहू करि मैंहे

२१

31

बैदेकहा इनकीटिगके भावजा इनकीकोऊ
जाइजुकैहै जानतहैंउनआषिनितें अरु
अंउमरोबहुभौंपुनिदैहै २१ अथविप्रलधा
लक्षनवर्नने दोहरा हरीसोंसंकेतबदि
लैंनपठाईआपु लधाविप्रहजोनिजे अनआ
पंसंताप २२ अथप्रक्षन्नविप्रलधावर्ननं ॥
सवैईया सेलसेफूलहवासऊवाससीभाष
सीसेभएभौंनसभागे केशवबागमहाब
नुसैजरूसीचटीजोन्हसबैअंगदागे नेक
लगेउरनाहरसोनिसिनाहचरीजकहूंअन
रागे गारिसोगीतविरीबिससीसिगारेरैसिं
गारअंगारसेलागे २३ अथप्रकासविप्रल
धावर्नने कवित्त देषतउदधिजातदेषिदेषि
तिजगातचंपककेपातककाछलिष्योहैबना
इकै सकलसुगंधदारिहतिकाकोमारिपुनि
फूलमालतोडारि बीनाबगराइकै लैलैदीह

रसि
प्रि

सासनत्ति बिबिधबिलास सहास के शौदास
हैउदासचली अजलाइकै मेरकैसकेवल
नौकोन्हूजूसों बोलिङनैमासोंजोरेकरहू
नेउखुणाइकै २४ अथ अभिसारिकालछ
नवर्ननें दोहरा हितते कैमदमदनते पि
यकौंमिलेजुजाइ सोकहिये अभिसारिका
बरनीत्रिविधिबनाइ २५ अथस्वकीयाको
अभिसारवर्ननें दोहरा अतिसलज्जउगाड
वभरी परति वधुनिकेसंग स्वीयाकोअभिसा
रुयहै भूषनभूषितअंग २६ दोहरा जनीस
हेलीसोभिजै बधूबधूसंगवार मगमैदेरब
त्यारपउ जलवंतीअभिसार २७ अथपरकी
याअभिसारिकावर्ननें दोहरा॥ चकितचित्तसा
हससहित नीलवसनतनगात कुलटासं
ध्या अभिसैरे उन्मदनमदअपरात २८ दोह
रा चहूंदेरबचितवैद्रसे चितचोरैसबिलास

अंगरागरंजितरतिन भूषनभूषितवास
२१ दोहरा कुसमकुंदकरमंदगति साथि
संगमगवाजार सषीसहेलीसाथके व
रनिनारिअभिसार ३० अथप्रछन्नप्रेमाभि
सारिका कवित्त॥ लीनेहसमोलअनबोली
आईजोसोमोहमोहिंचनस्यांमघनमाला
बोलिलाईहै देख्योहैहैडपजहांदेह उन
देषीकेसैबादकेसोदामिनीदिषाईहै ऊंचे
नीचेबीचकीचकंटकनपीरपग साहसग
यंदगतिअतिसुषदाईहै भारीयहकरी
निसतिपट अकेलीतमनोहीप्रांननाथ
साथप्रेमजसहाईहै ३२ अथप्रकासप्रेमा
भिसारिकावर्ननं कवित्त नैननिकीअंतरा
ईबैननिकीचतुराईगातकीगुराईनऊवति
चालकी अपनेचरित्रनिके चित्रनिविचित्रचि
त्रनीजोसोसोहैसाथ बुधिकाप्रलालकी वेद

(६५)

रसि
पि

33

केसमान थारू चाइसों चटी फिरति करके
[illegible]हारे म्रगनैननि की पालकी कीजेप
यपांन अरु षैजें पांन पानप्यारे आई है ज्यूथा
ई है अलबेली ग्वालि काल्हकी ॥ २२ ॥ अथ प्र
छन्नगर्वाभिसारिका वर्ननं ॥ सवैया ॥ लाडि
लीलीली कलोरी लरी कहूं लाललकै क
हो अगिलगाइकै अजतौ केशव केसे हूं ले
हपैं लागन दैतिन देषहू आइकै बोलि चलो
उठि आई लिवावन दौरि अकेलि पठी अजु
लाइकै भले हूं गोकुल गांउ मैं गोविंद की
जै कीजेउ ररनि गाइ चराइकै ॥ २३ ॥ अथ प्रका
सगर्वाभिसारिका वर्ननं ॥ कवित्त ॥ चंदन चढा
इ चारु अंबर कै उरहारु हमन सिंगारु सोहे
औ नंद के कंद जैसें वारों कोरि रतिनाथ बी
चमें बजावे गाथ म्रगज मराज साथ वानी जग
वंद जैसों चौकि चौकि चकईसी सोतिनि की ह

(३८)

नीचलीसौं नैं मंद हीन अरविंदनि मंदज्यौं
तिमरवियोगफूले लोचन चकोरफले आई
ब्रजचंदचेंद्रावली चलिचंदज्यौं ॥ अथ अप्रच्छ
न्नकामाभिसारिकावर्ननं कवित्त ॥ उरफनि
उरगचरन फनिचरननि देषति विविधनिसि
चरदिसिचारिके गननिन लगनमसलधार
सुननिन किलीगन चोषनिरचौषजलधारि
के जौननिन भूषन गिरनपट फाटननकंट
कअटकउरउरलउजारिके प्रेमनिकीपूछैं
नारिकौन पैनैंसीछाया यह जोगकौमोसारु
अभिसारु अभिसारिकै ॥ अथ प्रच्छकाम का
माभिसारिकावर्ननं सवैया ॥ गोपबडेबडे
बैटेअथाइनि केशवकोरसभाअवगाहीषे
ल षेलतबालकजालगलीनिमें बालवि
लोकिविलोकिविकौहीं आवतजानिलगाई
वहूं दिसहूंचटमें पहिचाननिकौहीं चंदसौं

रसि
प्रि०

आनन करा चलै सकत है कहू तोहि किनां
ही ३८ अथ तीनयै साटनाइकागनतीवर्ननं
दोहरा केसवदास अरु तीनि विधि बरनिस्व
कीया नारि परकीया है भांति पुनि आठ आठ
अनुहारि ३९ दोहरा उत्तम मद्धिम अधम पुनि
तीनि तीनि विध जानि प्रगटति तीनयै सा टहे
य केशवदास बषांनि ४० अथ उत्तमा लछन
वर्ननं दोहरा मांनकरै अपमांन तैं तजै मां
न तै मांन ष्यादेषै सषणावई ताहि उत्तमांन
४१ अथ उत्तमा वर्ननं ॥ सवईया ॥ ह्रोत कहा
अब के समुझे समुझै न तबै जब है समझाय
एक ही वंक विलोकनि मांहि अनेक अमोल
विवेक विकाए जानपनौ न जनाइ जू जनमा
वधि लौं उरह्री जानि ह्री पाए बात बनाइ कहा
कहौ लेहु मनाइ जौ आप ४० अथ मध्यमा ल
छनं दोहरा मांन करे लहु दोष तें छाडे बहुत

(३५)

प्रमान केशवदासवषांनियह तांहि मध्य
माजान धर अथमध्यमावर्ननं सवईया॥
भूलेहूं सपेनहीं चितयो इन कोंन्ह कियो ल
चिलालच केतो हाहा के हारि रह्ये उनिके
शव पाइ परे तो परेई रहे तो हो तो यह तब
हों की बीचमति होतो उमान कोंयाहि तो
पतो लोमील दैं अनपानरी देह जो ने
ऊबडी विधि आषनदे तो धर अथ अधमा
लछनं॥दोहरा॥ रूठे वारहीवार जो ह
टै बेहीकाज तांहीसों अधमासबै कहिब
रननकविराज धर अथ अधमावर्ननं सव
ईया कातैकपट जकोंन्ह सोंकीजे रीवारो
बेबोलऊबोलकसाई फारोंरहूं चटगे
टभ्रटे सोईडीट फुटी अपिको जपसाई के
शव श्रेसी सषीनिकों मारों सिषके करे हि
तकीजकसाई वारंहीवार कोंन्ह समै वारों

रसि
प्रि

(५३)

35

बहाउं सबउ डिवियोग वसाई ४४ दोहरा इहि
विधिनाइकनाइका वरनहु सहित विवेक जा
तिकाल वयभाव ते केशव जानि अनेक ४५
अथ तरुनी मोचन कथन वर्ननं दोहरा तजि
तरुनी मे वंधकी जो निमित्र दिजराज्ञि राषिले
इउ समूष तें नाकीतियते भाजि ४६ दोहरा
अधिक वर्ण अरु अंग च्युटि अंत्यजजन की ना
रि तजि विधवा अरु रजिता रमयहु रसिक
विचारि ४७ दोहरा यह संभोग सिंगार की
केशव वरनी रीति विप्रलंभ सिंगार की रीति
सुनहु दे पीति ४८ इति श्रीमन्महाराजकोमार
श्री इंद्रजीत विरचितायां रसिकप्रियायां संभो
ग सिंगार वर्ननं नाम सप्तमो प्रभावः ॥७॥
अथ विप्रलंभ सिंगार वर्ननं दोहरा ॥ विछुर
त प्रीया ज प्रीतमो होत जर सतिहि ठौर विप्र
लंभ सिंगार कहि वरनत कवि सिरमौर १

अथविप्रलंभसिंगारभेदवर्ननं दोहरा॥
विप्रलंभसिंगारकौं चारिप्रकारप्रकास प्रथ
म पूर्वअनुरागपुनि मानसुकरुनप्रवास २
अथपूर्वअनुरागलक्षनवर्ननं दोहरा॥देष
तिहीउपजतिदंपतिहि उपजपरतजोराउ वि
नदेषेंउषदेषिये सोपूरव अनुराउ १ अथ
राधिकाकौप्रछन्नपूर्वानुराउवर्ननं कवित्त
फूलनदिषाउसूल फूलतिहैंहरिविनहूरि
करिमालबालव्यालसीलगतिहै चंदनच
ढाउजिनिताषसीचढतितनजेकमनलाउ
अंगआगिसीलगतिहै चवरुचलाउनानि
बीजनहलाउलागैकेशवसुगंधवाउवाइ
सीलगतिहै बारबारबरजतिहौंवावरीहै
वारैंआनिविरीनषवाउवीरविषसीलगति
है ४ अथराधिकाकौप्रकासपूर्वानुरागव
र्ननं सवइया केशवकेसहूंइटतिडीठितिडी

रसि
प्रि

36

द पेरेरतिईठकन्हाई तादिनतेमनमेरेकौंआ
निभईसमईकाहिकेहूंनजाई होइगीहासी
जौ आवैकहूंकाहिजानिदितैरहितबूझनिआ
ई कैसैमिलौरीमिलैविनक्यौंरहौनैननिने
झूहिपडकमाई ५ अथहासकोप्रछन्नश्रवा
नुरागवर्ननं सवईया एकसमैवृषभानस
तासजनीगनमैजननीसंगवैसी जीतिउदे
चितयोजिहिरीतिप्रीतिहिएकहोजाइनतै
सी तादिनतैब्रजकीजुवतीनिकीलागति
केसावभांतिअनैसी वाहिफिरयौचितच
कचहूंनकहूंडतिदेषियेवामसबकैसी ६
अथहासकोप्रकासस्रवीनुरागवर्ननं ॥ स
वैईया ॥ भांतिभलीवृषभानललीजवतै
अषियांअषियांनिसोंजोरी भेंहूंचवाइक
छुडरपाइतुलाईलईहसिकेवलिभोरीके
शावकाहूंस्योंतादिनतैरुचिकेववलोकति

केतौ निहोरी लीलतहै सबही के सिंगार
श्रृंगारनिज्यौं बिनचंदनचकोरी ७ अथदस
दसाउनपति कथन वर्नन दोहरा ॥ अवलो
कन आलापन ते मिलबे कों अकुलाहि होत द
सा दस बिन मिलें केशव कौं कहि जानि ८
अथ दसदसा नाम कथन वर्नन दोहरा ॥
अभिलाषु सचिंता गुन कथन स्मृति उदवे
ग प्रलापु उन्माद व्याधि जडता सनौ होनम
रन स्फुनि आपु ९ अथ अभिलाषु लछन वर्न
ने दोहरा ॥ नैन बैन मन मिलि रहै चाहै मि
लो सरीर कहि केशव अभिलाषु यह बरनत
है कविधीर १० अथ राधिका को प्रछन अभि
लाष वर्नन सवईया ॥ सपि बुझि चटी इति
देह मिटी दिन ही दिन चाहि प बाफ तिसी क
हु केशव आपु ने पेट की पीर डरावति पेम पका
टति सी विसहै सो सभ्भ सषीनि सनीद पषी

रसि
प्रि

चितवाहनिसाद तिसी गयो कछु गांठि तें छू
टि छबीली भुकाहे हैं तें डोलति ताउ तिसी ११
अथ राधिका कौ प्रकास अभिलाष वर्ननं सव
ईया जौ कहूं देखें लगै दिख साप दिखावति ही
दिन हौं उ षपे हौं याही मै केशव देखिहौं देखि
सखी सब कौं हौं यौं उनकौ डरि देखिहौं देह सौं
आपुनी देह न देखत है हौं देखिबे को वह राव
ति मोहि सहौ व कहा कछु देखिहौ लैहौ १२
अथ कृस्न कौ प्रछन्न अभिलाष वर्ननं सवईया
पांइ परौं बलि जाउ मनोहर आपुन सौं न करौ
अब ताहूं देख अजान नही दिन के फिरि बा
र कयौं अन देखेहौ जाहूं मोसो कहौ सब कही
कहि केशव कैसे हूं कान्ह पत्याहू जौ काहूं अ
छह गेज्ञ काहूं अरु नीरु विनातो है षीरसिरार
धौं षाहूं १३ सवईया केशव नैन सों नैन
मिलागे हूं भरूप प्रेम अहष्वदावै कौंव

हूकामललाग्रवलोकैसखीसौंमनमैंफैउपा
उनयावै कीनैहूपाउडिदीजैवुधीसज्जरा
धिकाकेउरमैयहआवै लागतिओंकव
हूकबहूंमनबवारकसेंमनमैमनसुलावै १७
अथहूमसकोयकामअभिलाखवर्नन सवई
या हैकोईमाईहितूइनकीयहजाइकहो
किहिवाइवहैहै नाइहीकेसवगोऊलकी
ऊलटाऊलनारिनिनोंउलहहैं कैहेरीको
जैसेजोनतनोंहिनकाहिहैकाकेसंदेसकहे
है देषिरीदेषिलागाइटकीइतसोनेसोना
इकैउाहरहैहैं १८ अथचिंतालछनवर्नन
दोहरा कैसेकैमिलियैहरिनहि हरिकैसेवसि
होइ यहचिंताचितचेतिकै वरनतहैसबको
इ १९ अथराधिकाकीप्रछन्नचिंतावर्नन दो
हरा आपनकेतनआपनो होतनदेषेजाहि
आपनकेतनआपनो होतनदेषेजाहि आ

38

पनंहीर्त्ह आपनो कैांमन करिहै नाहि १८
अथ राधिका की सकाम चिंता वर्ननं कवित्त
प्रेमभयभूप रूपमचिवसकोचसोचविरहवि
नोदपील पेलिजतपविकै तवलतुरंगग्र
वलोकनअनंतगतिरथमनोरथरहे पैदा
उनगविकै डहूंगेरपरीजोरघोरहनीकै
सो राइहोइ जीतिकौन की कोहारे हीयल
विकै देषतनन्हैंरुपालतें ही कालउहिबा
लउरसतरंजकीसी बाजीराधीरविकै १९
अथ कसकी सकत्र चिंता वर्ननं कवित्त कै
सोदासमकलहवासकौ निवासतनकहिक
बम्रकुटीविलासन्नासकौ लिहै कैसोहै सु
दिनुबडभागी अनुरागीजिहमेरे हगनो
के संगलागि लागि डोलिहै अैसोहैहै सउ
नि आपने कटाछमनमदचतसारसममेरे
उरगोलिहै दीपकेसमीपनिसिदीपतिनिर

षिवहू चित्र कीसी पूतरी सके हूँ हू लिषी लिहै १९

अथ हृसकी प्रकास चिंता वर्नन सवईया ॥

राधिका की जननी सौं सषी कोई क्यों हूँ सब ये

बरबात सुनावै देवकुमार से गोकुमारनि मो

नु दै दै हृषभान तुलावै केशव कैसे हूँ बाल भ

ली वहू मालसु मेरैं हि पैंष हिरावै तोहि सषी

समदै संग ताके सकौं घरबात सबै वनआ

वै २० अथ गुन कथन लक्षन वर्नने दोहरा

जहु गुन गान गनि देहु डारि घरनत वचन

विसेषि ताकहु जोनहु गुनकथ समनम थ

मेंसु लेषि २२ अथ राधिका को प्रछन गुन

कथन वर्नने कवित्त कीरति सहित तिनके

शव कुसुर कोन्ह केवल अकीरति नृपति सुभा

नी है कुवत चैपक पान कुम्हिलात जात गा

त अति हरषित तनहु हरि जू कौ जानिये कौ

मल सुवाहू जत प्यारे के परस पानि कंटकसहि

रसि
प्रि

ननालननालिनवखानियै लोचनविसालबा
रुमदनगुपालजूकेमदनसरनिदरसनरसहीं
नियै २२ अथराधिकाकोप्रकासउनकथनव
र्नन सवईया षंजनहैमनरंजनकेशवरंज
निनैनकिधौमतिजीकी सीवीसुधाकिसुधा
धरकीडरतिदंतनिकीकिधौंदाडिमहीकी ॥
बंटुमलोमसचंदकिधौमषिसूरतिकोसुकि
कांन्हकीनीकीकोमलपंकजकेपदपंकज
प्रांनप्यारेकिमूरतिपीकी २३ अथकुसको
प्रछन्नप्रकासकथनवर्नन सवईया जौंकहौं
केशवसोमसरोजसुधासुरभंगनिदेहदहै
दाडिमकेफलश्रीफलविद्रुमहाटककोटिक
कसहेहैं. कोककपोतकरी अहिकेहरिको
किलकीरज़ुचीलकहेहै अंगअनूपमवा
त्रियकेउनकीउपमाकहवेईरहैहैं २४ अथ
कुसकोप्रकासउनकथनवर्नन सवईया लोच

(८०)

नवीव बुभीरुचिरा पेकी केशवकों है सजा
तन काटी मोनदमेरे गहो अनुरागनिकुंज
म पेक कलंकितगापी मेरियेला मीरहीत
नताजन योंउतिनीलनिचोलकी बाटी मेरे
होमोनो हि पेंकहसंघतियों अरविंददियेम
घटाटी २५ अथ स्मृतिलक्षनवर्ननं दोहरा
औरक लक्षनसदा श्रनहू भलिजाइसबुकाम
मन मिलिवेकी कामना ताहिस्मृति है नाम २६
अथ राधिकाकी शब्दस्मृतिवर्ननं सवइया
वोलेसो सदा इनघत्योहसो अरुदेषो सदा इन
ड्वबह्यो सो नीकी येवानसनेसमफेनमनो
मनकाहे केमोहमत्यो सो केशवहटति यों उर
मैं मतिमूढभ योगुनगूड पत्यो सो कोकरे
साजबजावे को वीनहि याकों कछुचितवत
चत्योसो २७ अथ राधिकाकी प्रकाशस्मृतिवर्ननं
सवइया मेरे मिलाए ही पेमिलिहो मनमोहनसो

मनमोहिनदीजै सौंनहीमौनबैनैनकछुस्रवंकौ
मनमोनदकेरसभीजै ऐसेंहीकेशवकेसंजि
यौं अहोपांननघाइतोपनमोनपीजै जानिहै
कोउकहाकरिहैतबसोवुनजोतोसकोवुनकी
जै २८ अथकरुनकौप्रछन्नरतिवर्ननं सवैया
होरिहनैचनसारुचसौछनसौंमहचंदनबै
तनहूल्यौ केशवजंजकोकुलविनैप्रतिकूल
भयोसुभफूलनिफूल्यौ भूलेसेडोलतबो
लतहूँउतजानकिनैमनसंभ्रमभूल्यौ जो
ननहौयहकोंहूकै आजमनोहरहारहिओं
रनिफूल्यो २९ अथकरुनकौप्रकासरति
वर्ननं सवैया वासनिवासभयेविसकेशव
उसनदासनकीगतिलीनै चंदनचांदनीसौं
चित्तचांदनचंद्रिकाचंद्रवितारसभीनै पानन
खातनपानकरैकछुहासविलासविदाकरिदी
नै ऐसीहैंगोकुलकोकुलकीजिनगोकुल

नाथकौंपठ्यकीनै ३० अथउद्वेगलक्ष
नवर्ननं दोहरा उपदाइकह्वैजाइजहं उप
दाइक मनयास सोउद्वेगदसाउसहं व
रनइकेशवदास ३१ अथउद्वेगराधिका
कौवर्ननं सवईया चंडनहौविषुकंदहै
केशवराहियहै गुनलीलिनलीनौ ऊंभ
जणोवनजोनिअपोवनपोखेंपियो पविजो
वनदीनौ यासौंसुधापरमेष्ठुविषद्दूनो
उपहौविधिहैअधिहीनौ सूरसो माईके
हाकहियेयहपापीजुआपुबराबरिकीनौ
३२ अथराधिकाकोप्रकासउदवेगवर्ननं स
वईया केशवकाल्हिविलोकिभजीवहु आ
जुविलोकेविनासमरैजु वासरबीसविसे
विसंभीडियैरातिजुन्हाईकीजोतिजुवैरजु पा
लिकतेंभवभूमितेंपालिक आलीकरौरवके
लापकैरजुभूषनदेह कछूहमभूषनलषन

देहिकोहैरिहरैजू ३३ अथकमलकौप्रछन
उदवेगवर्ननं सवईया मेघनज्यौंहसिहंस
नहेरतहंसनिज्यौंचनद्रूपनपीवै कंजनज्यौं
चिमचेडनचाहतिचंदज्यौंकंजनिकौंहूनछी
वै तालनेवाग निवागतैंतालनितालन
मालकीजाननमीवै कैसीहूंकेशववेजव
तीहनिऐसीदसापियकीपलुजीवै ३४ अ
थकमलकौंप्रकासउदवेगवर्ननं सवईया॥
सोचिसषीभरिलेतविलोचनकौंपतदेषनफू
लेतमालहि भूलेमेडोलतबोलतकौंहूंन
वागगपकिधौंतेरहीतालहि देषौजोचाह
तिदेषिनआवतिऐसेमैहोनदिषांडीलाल
हि आजकहादिषसापलगी जबदेषोह
हाइकछूनउपालहि ३५ अथप्रलापलछ
नवर्ननं दोहरा भवनहरैहै मनमोरज्यौं है
ननमनमनपरतापु ववनकहै पियपननसौं

ना सों कहै प्रलाप ॥ २६ ॥ अथ राधिका को प्रछन्न
प्रलाप वर्ननं सवईया षेलन हासी रषो रि
अबाउ न है न बैरु कियो क पैरो सों लेगो न दे
नोह लाउ भलाउ न नातो न गोतो कहा कहौं
तो सों आनि दयो हम मेड म केशव कैसें हूं सों
री कहा कहि को सों नैंन भरें भरि ग्वाल क
है मेरी देषो तें कान्ह कहा कलो मो सों ॥ ३० ॥
अथ राधिका को प्रकास प्रलाप वर्नन सवई
या अलीनि के मांफ मिली हूं तो षलति जा
नै को कान्ह धौं आयो कहां तें डीठ ही डीठि
मिलान कछू सठ फीट गाढी उठि पीठ की चातें
है गाडि लाज निही जगई पै उटी जारि केशव
कांपनी याते इतीरि सभै कब हूं न सही
पै रही वचि हौं अंषियानि के नाते ॥ ३१ ॥ अथ ल
सको प्रछन्न प्रलाप वर्ननं सवईया नील
निचोल डराइ कपोल विलोकन ही किए ओ

रसि
प्रि

लिकतोही जानिपरीहहसिबोलतभीतरभा
गिगई अबलोकितमोहीबूझिबेकीजक
लागीश्यालहिकेरावकेउरछिहपलिलोही
गोरसकीसौंबवाकीसौंतोहिकिवारलगी
कहिमेरीसौंकोही ३४ अथकंसकीसका
समरलापवर्नन कवित्त मोहनमरीचिका
सौहासरचनसारकोसोवासमुषहूपकीसी
रेषाअवदातहैं केसौदासवेमीतोवि वेनीसी
वनाइराषीजामें मेरेमनोरथमनिसेअन्हा
तहैं नेहउरफेसेनेंनदेषिवेकोविरुफेसवि
फकीसीभौंहेंउकसेउरजातहैं लोचन
कमलचारुतिनपरपाइदेतिकमलासी
आईतेरेकाहिकेसीबातहैं ५ अथउन्मादु
लछनवर्नन दोहरा तराकिचटैपुनिउटिच
लै चितरहैसुषदेषि सोउन्माडुजगावई रा
वैहसैविसेषि ६ अथरापिकाकोसछेतउन्मा

(८३)

दुवर्ननं सवईया केशववौंकिनसीचित
वैछतियाधरकैतरकैतकिब्योंहौ छकिप
औरकहैमघऔरईऔरकीऔरकौहैपलमां
ही डीटिलगीकिधौंबाइलगीमनभूलिप
रोकिकरयोककुकोहौ घूंघटकीघूटकी
पटकीककुआजकाल्हराधिकेत्यांहौघ
भूपराधिकाकौप्रकासउन्मादवर्ननं क
वित केशवसुद्दिसिदिरितमविनवि
ध्याअगाधराधिकहिबाढी छूटीलटलट
कतिकटित्त टलद्धचितवनिनीटिडीटिक
रिगारी नवकातिनकिमोरतितनतलफति
अतिआपारउपचारनिडाफी सकसकांति
लैलैस्वासमुचेतसचेतहूप्रेमप्रेतगहीगा
ढी ४३ अथकरुनकौप्रछन्नउन्मादवर्ननं॥
सवईया गरुअगरु प्रकासनि बातनिलो
क अलोककीबातनसीसी रोवतहैंकबहूं

२

हसिगावत नाचत लाजकी ब्राडि ब्ररीसी का
हू को सोऊ सेको ब्रुनके शावदेषत आवत टे
ह मरीसी वामाके [illegible] कामकिय
मकि[illegible] हरिकी मतिका हू हरीसी ४४
अथ कामकोपका सउन्मादवर्णनं ॥
कवित [illegible] चित विबचितवतव
है दिन[illegible] [illegible] चपल बचल
यपाइ सोचत सेमन मनको पत नपत
ननकि शोराइ रोवत हसकि उठै माइगा
इ चलहि दिषाऊं तोहि देषते ऐसे भय मो
हि भयो सो कहू न आई तो सो आली अ
कुलाइ जैसे कब्रु आअवो अबकत हैं हरि
आजते से जिनि म्रषना[illegible] हूं को नि
कसजाई ४५ अथ व्याधि[illegible]वर्णनं दो
हरा अंगवरन विवरनतें अतिहि बेरसा
स नैननी रूपरतापवद्द व्याधि सहलसकी

केशवदास ४८ अथ राधिकाकी प्रछन्न व्या
धि वर्नन सवईया बैन तज्यो उनवीनते बो
लैन वैन विलोकेन तें उठि भगी है वैन सुनैस
मुकेन तें बात हिये तें लग्यो किधौं प्रीति लगी
है केशव वे तो हितो हीरटै रटतो हि ईतै उ
नंहीकी लगी है वे मुषपान न पान सोन ते स
सैं कान्ह टगे कि तें कान्ह टगी है ४९ अथ रा
धिकाकी कृस्नकी प्रकास व्याधि वर्नन ॥ सव
ईया उन्हों उनकी तन ता पिप ना पि इन्हों इन
के अम सु आनि अन्हई ये उन्हा उनके उडिजे ये
उसास ईन्होइनके उपचार जई ये केशव
श्री वृषभान ललीने दलाल लाको निदान
न पई ये एक ही वेर दुहंनि कह्यो भयो आली
अरी चलि देषिन जेई ये ५० अथ जडता लछ
न वर्नन दोहरा भूलि जाइ सुधि बुधि जहाँ उ
षहु होइ समान तासों जडता कहत है

रसि
प्रि

केशवदाइसुजान ४९ अथथापिकाकीप्रछ
न्नजडतावर्नने सवईया छेरेउपचारघरी
सियरी सियरेतेंघरोईघरोतनकीजे औसे
मैंऔरकीपतेंकछूउपजैतैसकेलिकहा
हूमलीजे देषतहीयहकामकलीऊस्हि
लोनियेजातिकहाअबकीजे कौनपैजा
उकहाकरौंकेशवकेसंजियेयहकौंहूमजी
जै ५० अथथापिकाकीप्रकासजडतावर्नने
सवईया अषियांनिमिली सषियांनिमि
लीपतियांबतियांनिमिली तजिमौने ध्या
नविध्यांन मिलीमनहीं मनज्योंमिलेरौं
ऊमनैनामयमौने केशवकेसंहीवनिमिलो
ननहेहैवहेहरिनेोकछूहौने सरनप्रेममा
थिमिलीमिलिजैहहैतमूं मिलिहौनबकौं
नै ५१ अथपकलकीप्रछन्नजडतावर्नने सव
ईया ॥ पलहीपलसीतलहोत सरीरविचा

(82)

रिसबैडपचारनिचांनै जोकरियेतनमंइ
नुघंइन्नुचितकछुसुडखुन ग्रांनै केशवः
स्रोमहानैसमहफेनही ब्रुफिपकौंनहिकोय
हूमांनै जोशुलियोकिवियोगहै काहूको
लोगुकह्राइनरोगनिजानै ४२ ग्रथछलम
कीप्रकासम्सरतजडता सवईया कांन्हके
ग्रासनवासनहीनद्भुतासनमीनकोग्रास
नकीजै केशवइंद्रियसोधिसबैमनसाधि
समाधिनकेरसभीजै जोलोभपहरिसि
द्विनतैलोंविलोकिग्रलोकनलीजै देवि
कैतनुतौलगिबेवरदोनन जौ जियदा
नुतौदीजै ४३ ग्रथमरनलछनवर्ननै दोहरा
बैननकौंहूमिलनजहं बलबल केशव
दास मरनप्रेमप्रतापतें मरणहोइमनवा
स ४४ दोहरा मरनकेशवदासपैं बरनौ
जाईमित्र भ्रमरभ्रमरजसकहिकहौ वैसे

रसि
प्रि

प्रेतचरित्र ४५ अथ प्रेमचित्र लक्षन वर्णनम्
दोहरा रति उपजे रमनीय कै पहिले केशव
दास तिनकौं इंगित देषि सषि करत सुप्रेम प्र
कास ४६ दोहरा अति आदर अति लोभ तें
अति संगति तें मित्र साधन हूं के होत हैं केश
व चंचल चित्त ४७ दोहरा सु भगवद्‌भाव स
मैं कहीं उपजी सुरब राग जिहि विधि उपजे
मौन मन वरनत सुनहु सुभाग ४८ इति
श्रीमन्महाराज कौमार श्री इंद्रजीत विरचि
तायां रसिकप्रियायां विप्रलंभ सिंगार पूर्वा
नुराग वर्ननं नाम अष्टमो प्रभावः ८ अथ मा
नवर्ननं दोहरा सुरन प्रेम प्रताप तें उपज प
रत अभिमान ताकी छवि के छोभ सों के
शव कहि जत मान १ दोहरा प्रगट हि प्रि
य प्रति मानिनी गुरु लघु मध्यम मान प्रगट
हि पीय प्रियानि प्रति केशवदास सुजान २॥

अथ नाइका गुरुमांन लछन वर्ननं दोहा
आंन नारि को चिह्न लषि अरु सुनि श्रवननि
नांउ उपजत है गुरु मान तहं केशवदास सुभा
उ ३ अथ राधिका को प्रछन्न गुरु मांन वर्ननं ॥
सवईया ॥ आजु मिले वृषभानकुमारि हि नंद
कुमार वियोग वितै कै रूप की रासि रसै सो रहे
केशवदास विलास निरोधि विनै कै वागे कै
भीतरि देषि हि पंन षैं नंन निवाइ रही सु इतै
कै फूलहि में भर मभूलि मनो सकुचे सरसी
रुह चंदु चितै कै ४ अथ राधिका को प्रकाश गु
रु मान वर्ननं सवईया रूकति ही वहु गोपी
गुपाल हि आजु कहू हसिके गुनगाय रहि ओ
रे में काहू को नांउ सषी सुनि कै सै पौं आई
गियो हजना पहि घाति षवावति ही जु विरी
सु वही सुष कीं सुष हाथ की हाथ पहि आनन
कै उन आंषिन तें अंसुआ निकसे सु घरों निसा

रसि
प्रि

थाहि ५ अथ नाइक कौ गुरु मान लछन वर्ननं
दोहरा लोक लीक अवलोक कछु प्रिया कहै ज
बैंन उपजत परत गुरु मांन तह प्रीतम के उर ऐं
न ६ अथ कमल को पछ गुरु मान वर्ननं कवि
त्त ऐसी ऐसी बतिरा चे मोंहू न के सांचे स्याम दे
खो आनि वा चिके धों कौंन की पवी टीहै मन
ड्स भाग पाई रावरी वै पाग मांह का बादके र
पक है आगि कौ अगी वी है जो न तिहो पेही
मग पायो है जनम जग लोकनि की वी थी
तमडी टीहै काहे को कहावत बडुक काल
कूट सीप कैसी गहत हिहे रैहू सि हम कों तो मी
टीहै ७ अथ कमल को पकास गुरु मान वर्ननं
कवित्त आपने सों आपने ही आगे कहियत
किधों घोरि के घजा ने घोरि निमें घोलियत
है डीटि ही नौ रो कि जति जोरे कहूं जाइके सौ
और कहा ने न ले कुरी निकोलियत है वेइ घ

नस्यांमजिनबिनसुनीघरनीनिचरीकमेंघन
मारबोलियतहै बोलतीहोकैसें ऐसेंबोलो
जैसेंबोलियतमोलहैलपमो ऐसेंबोलबो
लियतहै ८ अथनाइकालघुमानलछनवर्न
नै दोहरा देषतकाहूनारिनैं देषअपनेनैंन
नहै उपजतलघुमानकै सुनैसषीपैंबैन ९
अथपराधिकाकोलछनलघुमानवर्नेंन स
वईया कांन्हतिहारीवैंशांनपियाकेसयांनअ
यांनसबैनहमोंही मांनकिधोंअपमांन
औबैयहमानपैअनमांननिजोंही लषेउछु
नकेभावजानिपैसमैंकेरिसहोंसीईहो अ
सनाही धोषिनहींसिवरीषिनजातीहौजैंपो
बदलैबदलांनिकीछाही १० अथपराधि
काकोप्रकासलघुमानवर्नेंनं कवित्त रूठे
हैनरूठीपरीईटमोंउजोकहावनेकडीटपी
ठदेतईटकोंनकेअली कालिहकेवोलंदला

रसि
प्रि

लमोसोंचा निलालिकैंकालिहीन आइगवा
लिजेपैलहूतीभली आजदीजवीचपरीवीछु
पारिबेकोमाई आनरंगआनजीयजोंकेनेर
वीकली नेरेंहैकहै किकोउमाषिहैजबूफि
येरीरे षियेजआषिमाषिहूजिवेकीकावली
१२ अथनाइकालघुमोंनलछनवर्ननं दोहरा
षियकोकत्योकैनही षियाकेंनहीलाजउ
पजनहैलघुमोंनतहं वरननहैकविराज २२
अथकसकोपछनलघुमोंनवर्ननं सवई
या वोलिजो आपरोंवालतनाहिनेमानेक
हाकछुहकतिहारी केशवकेसहूंदेषसुने
विनजानेकहाकोउजीकीपिहारी षीरसि
राउनजोंनतषाइनईयहभमकीभांतिनिहा
री काचिहिदाषिहिचाहतचाष्योसु अंतत
उतमऊंजविहारी १३ अथकसकोप्रकासल
घु मोंनवर्ननं सवईया आगेकहाकविहैं

अवहीतीइतोउ छुटीनोकतोविनकीने भे
टनहीअरिअंकललाभरिजीभनबोलैन
बोलनंबीनो केशवकोनहूलाजकेलाड
नैभूलिगईतोभयेहितहीनै देषनहीक
बहूभरिनैननिआजहीकेसंचलैचितली
नै १४ अथनायकामध्यममानलछनवर्न
नै दोहरा बातकहततियआरसों देषके
शवदास उपजतमध्यममानतहंमानतिके
अनयास १५ अथराधिकाकोप्रछनलघुमा
नवर्ननं सवईया कहोकोंनकहांसिगरी
निसनासीसहतौतमहीकहंचाहतहौ कछु
रातीसीआंषिकहाभईता नीतिहारेवियो
गकेदाहतहौ तनमेंतन्तरेषलिषीकिहि
केशवकंटककोननगाहतहौ हियवंच
करीतिरचीजबरंचकलाइलईउरनाहत
हौ १६ अथराधिकाकोप्रकासलघुमानव

२२

(48)

रसि
प्रि

नैनं सवैईया सषिसोंउनकोंन्हबकावतमो
हूं सोंआईबकावनहूंगई अबयाहीतेंतोस
ऊवातकछुकहिबेहूंकीतौनकहीबेहूंकी
तौनकहीपरई कहिकेशआपुनीजोंघउवा
र्के आपुहीलाजनिकोमरई रूठेतौसब
नैंहरपेंहरिहैं अबहौंहूंकहाहरिनैंहरई १७
अथनाइकमध्यममानलछनवर्ननं दोहरा
जहांनमानेमाननीहावैपीउमनाइ उपजत
मध्यममानतहं प्रीतमकेडरआइ १८ अथ
हासकोप्रछन्नमध्यममानवर्ननं कवित्त
बावबावबरजीमैंमारससरसमषी आरसी
लैदषिसषयारसमैवैठे सोभाकेनिहारे
तैं निहारतिननैककहूंतेंहारीहैं निहारिस
बकहाकाहूरिहै सषकोनिहारोराजनमा
नौतमभलीकरी केपेराउकीसोंतोहिजों
हेंमनमोरिहै नाहकेनिहारेकिनमानहि

(४९)

निहोरतिहोनेहके निहोरेफिरि मोहूसों निहोरिहे १९ अथलघुमानकोप्रकासमध्यम मानवर्ननं सवईया मानहीमानतेमाने नकेशवमानसनेकहामानहूटरेगो मानिर हेसुजसुजमानोनहीपरिमाननषेअभिमा नभरेगो देहीसहेली समानतवेजवसो तिनमें अपमानकरेगो आपुमनावतमान हिरीवडसोजमनावनेतोहिपरेगो २० दोहरा राधाराधारमनके वरनेमानसमा न तिनकोमानमनाइवो कहियतहसनेकु सुजान २१ इतिश्रीमन्महाराजकोमारश्रीइ इजीतविरचितायांरसिकप्रियायांश्रीरा धाहरसुजूकेमानविप्रलंभसिंगारमोनवि षाहवर्ननंनामनवमोप्रभावः ९ अथमा नमोचनवर्ननं दोहरा मानतजैप्रीतम प्रियाकहिकेशवकरिप्रीति वरनिसुनाऊं।

रसि
प्रि

सुनहुसब जेमैंसुनीषट्रीति २ दोहरा ॥
सामदानभनिभेदपुनि प्रणतिउपेक्षामा
नि अरुप्रसंगविधंसपुनिदंडहोइरसहोनि
अथसामलक्षनवर्ननं दोहरा ज्यौंत्यौंक
रिमनुमोहिजै छूटिजाइजिहिमान सोइ
सामउपाउकवि केसवदासबखान ३ अ
थराधिकाकोसामउपाइवर्ननं सवईया
केशवदाससदाकिंयं आसरहै सुषकीउपु
तानिदीजै नाहसोंरोसनमानिजै मानि
निमूलैहूं आउनोमनबिसरीजै होतुम
होतमहोसुनिसुंदरीसवतिहैजियपक
हीजीजै मानहूभेदकोमलमहाअपनेसु
हृसोंसपनेहूनकीजै ४ अथकृस्नकोसाम
उपाइवर्ननं सवईया कहिआवतहैजुक
हावतहौतुमनाहितैतौनाकिसकैहमसोंही
तिहियेडेकहावतिपकबहूंगिहि कोटेम

२

गेपगापीरपिरौंही प्रीतिजसेहूडेकीजैहै ज
ईसमहोतिवेसू सुउरीपसरौंही कीजैक
छुयहजानिकै केशवहौंनमहौनमतोह
रिहौंही ५ अथदानलछनवर्ननं दोहरा॥
केशवकौंनहीब्याजकछु दैछुटेवेमांन
वचनवचनमोहैमनै तासौंकहिजतदांन
दोहरा जंहीलोभतैदानलैछांडेमानमिमा
न वारवधूकेलछननहि पावैसदीप्रमांन ७
अथराधिकाकौदानउपाइवर्ननं कवित को
मलअमलदलदीनैहैकमलभवअरुनअरु
नप्रभजकौंसपदाईये केशोदाससोभापर
सपरसपाकेचरमधुर अपरउपमातोइनपा
ईये ठवजमलयसैलसीलसमदेषिसनिअ
लकवलिनव्यालअासाउरआईये निपटनि
गेभुयहहारबंधुजीवकोसचाहतनसगेभुमयो
नैजुयीवनाईये ८ सवईया मत्तगयंदनिसा

(१०५)

रसि
प्रि

यसदाइद्रियाबरजंगमजंतबिदासो ता
द्रिनतेकाद्विकेश्रवबेपनबंपनकेबडूथावि
धिमासो मोश्रृपनकाजयहै३नसापनसि
द्धिविचासो पावनभुजतिदारेहियें अबचा
हतहैपरहलाकबिहलासो ४ अथकलसकोदा
न्हुपाइवर्ननं कवित्त हसतिहसतिआईश्री
निपकगाथागाईकहैथैंकन्हाईयाकोभाउ
समफाइके पीवेंकों अपरमभुदंपतिएक
ह्वीवारवरनकरजथलदीजेजूबताइके
यहपर्विरंमनकहावेकौनकेथेगाइमेरीसों
जोमोसोंतमरायहूजुराइके राधिकाकीआ
धिकाईकहैकहालीनो आजुआपनोपि
यारोपीउआगुंहीमनाइके १० इतिदानलछन
वर्ननंभेदउपाउ दोहरा सघदैकेसबसषि
निकों आपलेइअगुनाइ नवजुमनावेमान
तिहवरनोंभेडबनाइ ॥ अथराधिकाकोभे

50

द उपाइ वर्नन सवईया केशव याइ षवासि
नि तो हि सषी सकुचे सेव आपनी गाते सो
हि तो माई कहें ही बवे अब बाधि दई बि
धि तो कहूं ताते ने कुरूर वेहु वे बोलि बलाई
ल्यों हो डर पै गाडि जाइन जाते मो घन सो मेरे
मोहन को मन काट सी तेरी कटै टीए बाते
१२ अथ कलस को भेद उपाइ वर्नन सवईया
काहू कस्यो हरि रूदि वहे तबते बडु डिवि
तर्क बढावे सोधि सबै अपनो सो बहो पन
मी तब है सउपाउ न पावे ह्वाव हरी ति इहां
यह केशव ज्यो इहू ज्ञेव जेरे क्यों जुडावे ह
कति हो पिय प्यारी तिहारी समां षक रे किम
नावन आवे १३ अथ प्रनति लक्षन वर्नन स
दोहरा अति हित तत अति को मते अति अपरा
ध किजानि पाइ परे प्रीतम पियारी ताको प्रन
ति बषानि १४ अथ राधिका को प्रनति वर्न

रसि
प्रि

नं सवईया नैंविनयोजनह्येतजजक
पेमकेकेपीयपाउगह्योहै मोहिविलोकि
विलोकिग्रलीकीग्रलीकिनमाहिप्रवाह
वह्योहै सुकविहैंसषिमीमदिपेमिनग्रो
वसीबैहियहेनवह्योहो कोन्हहेग्रापमनो
वननोसोमेमोनकि धौंग्रपमानकह्योहै १ ५
ग्रथराधिकाकोप्रजतिग्रतिकाम सवई
या नबोलतिग्रापुबुलाएंहू बोलकहात
गीमोहिबकापेहोमावन सोपस्योपाइस
महमधीसबदेतिहैजौंजवनीजिहिकाब
न हहुब्याडिकेकंटउटाइलगाइकहहल
गी ग्रैंटिग्रकाहनिहावन कौनभएनहै
हेदिनएकिनतेंहलगीकछुउलहपावन
१९ ग्रथराधिकाकीप्रनतिग्रपराप सवई
या मेमावदामउदासभईदवमाईदसाउय
धौंसभह्योरी रातिभए ग्रपरातिकहूलौं

(42)

बिनोबहुबंधुवधूनिकसौंरी पाइरही
समझकाइकछूनसषीनहूंकेसिषएनेस
हौंरी काहेतेंमोंमैानमोननितैलगि
जैौलौंनपाइनपीउपसौंरी ७ अथहास
कौमनतिवर्ननें दोहरा पियहिमनावेमा
इपदि प्रियापरमाहितमोंनि ताअपराध
नकोंमतें वरननहीरसहानि सवईया नी
रहीतोविनमीनमरैबहुमीनकेनीरहीके
जीयजीजे जोविन ओकसहाइनकेशवना
हिसहाइसौतोसबकीजे जालगिमोपग
लागिवहेसलगीपगअंगलगाइनलीजे
हैंसिषडं अपनेसपनेहुतोआवतलादि
किबावनदीजे ८ अथउपेक्षालछनवर्ने
नें दोहरा मोंनमवांवनवाततजि कहि
यैंओवप्रसंग छूटिजाइजिहिमोनघुनि
सोइउपेक्षाअंग ९ अथराधिकाकोउपे

र॰ प्रि॰

त्नावर्नन कवित्त चपलानचमकनिचमक
हथियारनकीबोलननमोरबंदीसुघनस
माजके जहांतहांगाजतननबाजतदमांमे
दीहदेतनदिषाईदिनमनिलीनेलाजके च
लिचलिचेदनुषीसांमरेसषापैवेगीसुषका
जकेशैंदासश्रीमहामाजके चटिचटिपव
नतुरंगनगगनन्हनचाह्नतफिरतचेडजो
धातमराजके २० अथहंसकोउपलावर्न
ने।कवित्त केशोदासदिनरातिकेत्नकीकीभा
वैभांति नियमैबसतिजातिनैननिमैनलिनी
मापवीकोपीवैमधुमूफतननअंयकहूंसेवती
सेवनकहीसेईगंधफलिनी औरहौंकहति
बातकोंन्हकाहेकोंलजातऐसेतोविसारहू
जहोवमनमलिनी देषैनहीप्रानपतिनि
लजअलीकीगतिमालनीसोंमिलैराहैंली
नेसंगअलिनी २२ अथप्रसंगविधेसवर्नने॥

४ (५३)

दोहरा उपजियचैभयचित्तभ्रम भूलिजाइ
जिह्हिमांत सोप्रसंगविषेसकवि केशवदा
सबर्षान २१ अथराधिकाकोप्रसंगविषे
सवनेन सवईया वेकीनकेशवकामके
किंकरबोल्लतदेतडराहाई कामविसाय
हकामनिकोईरिसाईगीतासोंज्ञकेरिसा
ई गाज्ञतनाहिनेमेवचढायहबाजनडों
डीसषीसषदाई मोरुभएफिरिकीवोअवे
लीहीबोली अवेबलिवालीकन्हाई २२
अथप्रसंगविषेसहृस्सकोवर्नेन कवित्त
कोकनिकीकारिकाकहूतिकाहूसारिका
सों उरिझिरिहित्तचित्तचोगुनोचढायोहे
उठिवेलोअंगउकीजे अबकेमनाइदीजेनीके
हूंमेकेशोदासकल्हबढायोहे मोनतन
एत्तेपरउलटीमनावेवह ऐसोईसयानसपा
मसहकहिपलयोहे २३ दोहरा देसकालबु

रसि
प्रि·

पिवचनतें कलधुनिगाइनमान सैाभासम
सैागंपतें सषदेखोटतमान अपासहूजमो
नमोचन कवित्त नननिकेघोरसानिमो
रनिकोसाकसानिसनिसनिके रावस्र
लापश्रालीजनको दामिनिदमकदेषि
दीपकीदिपतिदेषिदेषिसभसेजदेषि
मदनसवनको ऊंकमकीवासबनसा
वकीसवासभयो फूलनिकीवासमन
फूलिकेमिलनको हसिदासिबोलेदो
उ अनहीमनापमोनछूटिगोपकहिबार
राधिकारवनको २५ दोहरा उहिबिपमो
नकुडावही आइसमैनरनारि पलपल
प्रीतिबडावहीके रावदासविचारि २६ दो
हरा प्रियानप्रीतमसोंकरै प्रतिहठकेराव
दास वहूसोंहाप्यनआवईजोहैजाउ
दास २७ दोहरा बारहीबारनकीजिई वा

57

बारककीजैमोन कहिकेशवज्यौंआपमैं
सदाबटैमनमोन २८ दोहरा प्रीतिबिना
भैहोइनहि भैविनहोइनप्रीति प्रीतिर
हैतिहिभैरहै यहैमोनकीरीति २९॥
दोहरा मोनविरह बरनौविविधि जहां
विविधिवुधवास केशवकरुनाकहिक
छकहियतबिरहप्रवास ३० दोहरा ग
र्वेबिसनयनरागतेंनिठुरबचनप्रवास
लालचविषियकारनेंपियनेंहोइउदास
३१ इतिश्रीमन्महाराजकोमारश्रीइंद्र
जीतविरचितायांरसिकप्रियायांविप्रलंभ
सिंगारमोनमोचनवर्ननेनामदशमोप्र
भावः १० अथकरुनारसवर्ननं दोहरा॥
छूटिजातिकेशवजहांसबकेसबैउपाई
करुनांरसउपजततहां आपुनतेंअकुला
इ १ अथकरुनाविरहवर्ननं॥ दोहरा॥ स

रसि
प्रि

54

षैमेंड षकेंगौवरनिजै पवरनननवीहार न
दपिप्रसंगहिपाइकछु वरनतमतिअन
मार २ अथराधिकाकोकरुनाविरहवनंनं
सवईया मैपठईमतिलैनसषीसुरहीमि
लिकोमिलिवेकउं आंनै जाइमिलेदिन
द्वैहगहतीदयाल सोटेहदसानवषांनै॥
प्रेवतपेजकैतनप्रांननिजोगके औरथ
योगनिचोनै लाजपैबोलनपाउंनकेश
व ऐसेंहीकोऊकहाउषजानै २ अथरा
धिकाकोअकासककरुनाविरहवरनंनं॥क
वित्त॥हरितहरितहारहेरतहियोहरतहा
रीहौंहरिननैनहरिनकहूंलहौ वनमा
लीब्रजपरवरसतवनमालीवनमाली
हूरिदुषकेसावकेसेसहौं हृदयकवल
नैंनदेषिकेकवलननैनहैगईकवलनै
नओरहौकहाकहौं अपचनचनस्याम

(२५)

चनस्यांमचनंहीमेह्वोतचनस्यांमनकेधौं
सचनस्यांमविनकैधोंवहैं ॥५॥ अथकरुनसकौ
प्रछन्नकरुनाविरहवर्ननं कवित्त जैसें
मिलैंपथपसअवनमगजाइमनरवनभव
नकीयेअलिकअलकमैं मनमिस्योमि
लैनैंनकेसोदाससविलासछविआसम्
लिवेहैकपोलफलकमैं वेनमिलैंमिलैंपो
गयोनसकलसयोंनसजितजिअभिमानम्
लैंपोंतनकीफलकमैं तैसैंछलबलसा
धिराधिकेमिलनकहंवाहतिकियोपयो
न पयोनश्रोनऊपलकमैं ॥६॥ अथकरुनसकौ
प्रकासकरुनाविरहवर्ननं सवईया जैसें
रुनाईतरंगिनिसूरअसूरबसूरबरगावें
गेपय केशवदासजहांजमनोवधसेंम्ह
मम्हरिभैरभय तर्कतरंगतरंगिनितनेंगति
मिंमिलसलविमालविकेचयकान्हकाछ

रसि
प्रि

55

करुनामयहेसषिनैंहीकरेकरुनावरुना
लय ९ अथनायकाकोप्रवासविरहल
छनवर्ननं दोहरा केशवकौनहूंकाजतें
पिउपरदेसमहिजाइ ताकोंकहतप्रवासस
बकहिकेशवसमझाइ ७ अथराधिकाकौ
प्रवासविरहवर्ननं सवईया जानेकहाभे
गीदीवचमासहलैनैननवाइउकाऊहथाहू
मायोनहखहेलपेंनिहारोपखारनहीमघ
जोनअन्हाहू ऐसेंहीकेशवकोंविहैंथान
ज आपनीपीरसनावऊनकाहू काहेकों
भोरीतेभोजनछाड्योतौपांसौनपीयेतो
पांननखाहू ८ अथराधिकाकौप्रछन्नप्रवास
विरह सवईया नेकुविहैकहीपौंकबगौ
नहिनंदकुमारतौगौंनकियोई मोहिमहा
डरतोउरकौंनवहैलहिलैजिनकेयोलको
ई ऐसीनबूझियेकेशवतोहिविचारेजवीच

विचारुवियोई तेरेहीजीयजियैजिनकों
जियरेजियताबिनतेबजियोई ९ अथ
राधिकाकोप्रकासप्रवासविरहवर्ननं॥
कवित्त॥ कौनकेनप्रीतिकोनप्रीतमते
बिछुरतयाकेतो अनोषोपतिबतनगा
इयतुहै केशोदासजतनकीयहीमलें
आवेहाथअोरकद्दापंछिनकेपाछेपा
ईयतुहै उटिचलोजोनमोनेकाहूकीव
लाइजानेमानसेंजपहिचानेताकेआ
ईयतुहै इनकेतोयहैआजमिलऊं
किमरिजाऊंआगिलागिमेरीआलेमेंह
पाईयतुहै १० अथलक्षकोप्रछन्नप्रवा
सविरहवर्ननं॥ सवईया॥ जिनबोलि
सुबोलअमोलअमोलककेलिकलोल
निमोलिलिये जिनकोचितलालचीलो
चनरूपसुधारसपीसजिये जिनकेपदकेश

रसि
प्रि॰

56

वपौनछुवैसषमांनिसबैठघरहरिकियैतिन
कौसंगफूटतही फिटूरेफटिकोटिकहूक
भयौनहियें ॥ अथकलहकौप्रकासप्रवास
विरहवर्ननं सवईया केशवकेंहूंचलेंच
लिकोरिसदेसकोदेखनिपैंडकाहूपर आगे
पैरेअपनेसोकेसाहसपीछेहीपलिपरे
पगभूपर होतजंहीतहीठाढेठगेसेचलो
नकह्यौपरेकाहूंहितूपर लोककीला
जफिसोनपरेसमिलानकौरे अथकोस
केउपर ११ अथमध्यमलछनेदोहरा॥
पीरजवुद्धिविवेकवल गनमननेमसरभा
न प्रीतमकैविछुरेसषी मध्यमिलैमान
१२ अथरापिकाकोविरहमध्यमवर्ननं॥
सवईया॥कोकिलकेकीऊलाहलहूलिउठी
उरमैंमनकीगतिलूली केशवसीतसुगंध
समीरगयोउठिधीरजज्योंतनतूलीजैमनि

जैसुनिकेवचीजैनिकी जामिनिपैनसुजोस
धिफूली कैसेंजीयोकेसीकरोरीसषीबड
सेवोविससीविसवासनिफूली १४ अथक
लकोअभयभेम्रवर्नने दोहरा षानपानप
रिपानपुनि जोनगोनडतिअंग सभसंयो
गवियोगविनसा नैतो सुषतिभंग १५ अथ
कलकोविरहभयम्रमवर्नने सवईया ॥
येतकीनारिज्योतारेअनेकचटाइचलीचि
तवेवहंषानो कोटिनिसीकऊरे करकेज
निकेशवसेवसबैतनतानो भेटतिहेबब
ही अवहीतोबत्याइगईहीसुषसषसा
नो केसीकरोकहिकेसवचोबडसोनि
सिआईकिषेसघरानो १६ अथराधिकाकी
निद्रावर्नने सवईया आपतेआवेगीआंषि
निआगेहीडोलेगी मानडमोललईहै सो
ऊंनसेवदेऊनज्योनब सोवनमेंउनमायदई

रसि
प्रि

है मेरीयेमलकहाकहौं केशवसोतिकहूं नेस
हेलीभईहै म्वारथहीहितहै सबकेंपरदेस
गपपियंनीदोगईहै ७ अथप्रच्छन्नकीनिंद्रा
सवईया केशवकैसेंहू कोरिउपाइनिश्रोनिम
नेउवलागतिहै चकचौंपतिसीचितवैचित
मैचितसोवतिहूंमहजागतिहै परदेसप्रिया
पलमोहिपत्यातिनजोंनेकोयाकीकहागा
तिहै नजिनैननिनींदनबोढबधूलद्ध्या
धिकरातितेंभागतिहै ८ अथराधिकाकी
सषीकीपषीकृष्णसैं कवित्त॥केशवऊवर
हषभानकीऊ अरिबनदेवताज्योंबनउपब
नविहरतिहै कमलासोंथिरुनरहतिक
हूंपकवोरकमलानताज्योंकमलनितेजर
तिहै कालीज्योंनकेतकीकेफूलरुचैसी
ताज्यूंज्योंनिसिचरमषचंडदेषहीउरतिहै
बदनउचारतहीमदनसौंजोपनहींद्रोपदी

(२०)

ज्यौं नौं मग्न घने बोई बरति है १९ अथ राधिका
कौ मुग्धा की पत्री लहसपै सो कवित्त॥ भौवनी
ज्यौं भवति रहति वनवीथिकानि है सवि ज्यौं
मंडलमृनालिका वहति है पी उपी उरट
ति रहति चित चातकी ज्यौं चेड चिते चकई ज्यौं
चुप है रहति है हूवनी ज्यौं है रतिन के सवि
के कानन हिके कामनि ज्याली ज्यौं विलानि
है कहति है केशव अ अबि कौं न्द वि रहन्त ह्यौ
है ऐसी मूरतिन राधिका की मूरति गहति
है २० अथ लक्स की सषा की पत्री राधिका
कौं कवित्त दीवचदरी निबसे के शेगाइके
हरि ज्यौं के सवि कौं दे षें बन करि ज्यौं कपत है
बासर की संपति अलकाज्यौं न चित वत च
कवा ज्यौं चेड चिते चौगुन प चत है केकाम
निज्याल ज्यौं विलात चन स्यौं मघननि कीबो
वजीजवा सेज्यौं तपत है भौरज्यौं भचनवन

रसि
प्रि

58

जोगीज्यौंजगतैंनसाकतज्यौंरसोमनोमनने
रोईजपतहै २२ दोहरा केशवदासप्रवास
कौ कह्यौजथामतिसाज तापाहरिबाधा
हरन बरनोसषासमाज २२ इतिश्रीमन्म
हाराजकौमारश्रीइंद्रजीतविरचितायांरसि
कप्रियायांसंभोगसिंगारप्रवासवर्ननंनना
मएकादशोप्रभावः ११ अथसषीजन॥
दोहरा धाइजनीनाइनटीप्रगटिपरोसिनि
नारि मालिनिवरइनिसिल्पनी चुरहेरनी
सुनारि १ दोहरा रामजनीसंन्यासनी पटुप
डुआकीबाल केशवनाइक नाइका सषी
करैसबकाल २ अथधाइकौवचनराधिका
सौ सवईया मोहनसाथकहानिसिघौसहर
हैसतरंजरीकेमिसवैठी केशवकौंहंस
नैमहतारीतेंराषिहैरीयचरंत्रीमहिपैठी हौं
सिषतेहितैमैंहचटाइकेडीटिश्रमैंटी कौंनल

(२१)

ड़ेंती सहूपनकों पैननहींकछुजाति अकासहितैंछेटी १ अथ याइकावचनकसमो कवित्त ॥ शिशताममैनभईमंदमति लोचननि उननिसोंवलितललिनगतिपाईहै भोंहनकीछाडीछोडाईहै गईजटिलअतिमेरीवानीनेरीवानीमनतसहाईहै १ केशोदाससमहासहीसखेहींकटितटछिनछिनसूछमछवीलीछविछाईहै वारबुद्धिवारनिकेसाथहीबटीहैवीरउचनकेसाथहीसउचउरआईहै ४ कवित्त घोरीसीसदेसवैसदीरचनयनकेसगोरिजसीगोरीभोरीभवजूकीसारीसी सांचेकीसीढारीअतिसूछमसुदारकटिकेशोदास अंगअंगभाइकेउतारीसी सोथकीमीसांथीदेहसुधासोंसुधारीपाड पारीदेवलोकतेंकैसिंधुतेंउधारीसी आजवासोंहसिखेलिवोलिलेहुप्यारेला

रसि
प्रि

59

लकान्हिऐसीग्वालिलगाउंकोमकीउमा
रीसी ५ अथजनीकेवचनराधिकासौं क
वित्त सोभाकोसदनबनमैरोचनस्योंम
नितनईनईरुचितनहैरतह्निराईयै के
सोदाससकलसवासहकोनिवासकरि
विविधिविलासहासचासविसराईयै उप
रसकेतउमहघरसमीठोहै पियूषहूकी
पैलीचातोजाकीनियराईयै चोरीचोरा
नैननिचरापंसदवकोनजोलौपियमनमा
ह्निमनमेलिनचराईयै ६ अथजनीकोव
चनकलसमौं कवित्त ऐसीवातैऐसीहीपैं
कैसेहैकहौ परतिजाकीमतिगतिलाज
पाटसौंलपेटीहै मेरेहीनआवैमेरीवीरप
तीवैवैतोजानतिहौपाइहूं केसंगलौरि
लेटीहै ऐसीतोहैचेरिनिकीचेरीवाकीके
सोराइजैसीतमहाहाकरिपाइपरिभेटीहै

जानत ह्वै नंदजू के बेटा ह्वौ जू जो ने जाकु उ
तह्हि तौ बेउहष भोनजू की बेटी हूं ७ अथ
नाइन को बचन राधिका सों सवईया अव
ह्वी तौ गपडुनि पोरि ह्वै लोन पै बोलन जाहि
री पी छ्वैली लागे करि ह्वौ तब कै सौ पर
पे जो टोटहि है है कहूनि संघो स के जागे
जौ नवलो पर केशव कै से हूं देषत ही सब
सोमस भागे तौ देती हो जो नको नाष
ती काहून आरसी ज्यों करि नैननि आगे
अथ नाइन के बचन हलस मो सवईया ॥
गाउ बरा बर धाम समेष न जानि बराबर
ही चलि आई केशव के सदि वा न पिनान ब
राबर ह्वौ पहिरा वरि पाई वै सब रावर दी
पति देह विराबर ह्वी विधि बुडि बढाई प
अली आजु ह्वौ होइ गी केसी बडी ह्वौ तो अं
षिनि ह्वी बडु आई २। सवईया बजीजियला

ट

रसि
प्रि

60

जबडौउरुआलीबडीलङ्कीजैसौंचलैचित्त
लीनै बडीबडीआंखिबडीछबिसौंचितवै
बडीवेरबडोसुषदीनै बडेहीविचारबडो
कविकेशवकौंहूंमिलौजोकहूंहमही
नै बडीनिहूंसौंतौबडेउरबोलैइतेबडे
मोनबडौचित्तकीनै १० अथनटीकोवचन
राधिकासौं सवईया जोहैदिषावनतो
हिगईरीतौमेरीयौगौवराहीफिरिमाई
आजुकहादिषसापलगीहैदिषाऊंगीजा
इतौवेईकन्हाई देषतेंसौरीहैजातिभटू
अनदेषेंजरैसहयहैअधिकाई रातिकीवेग
निघोंसकीपैअबहींतेरीवाननिवाजहीं
आई रातिकीवेगनिघोंसकीप अबहींतेरी
वाननिवाजहीं आई ११ अथनटीकोवच
नकृष्णसौ कवित्त ॥जहींजहींउरैनहींजैं
हूंसैसौ[illegible] जगमगे केमैंहूंजैसोकेशवडराऊं

लिपं रंगकी पवनकेपंथअलिअलिनके
पीछेअलिअलिनीज्यौलागीफिरैजिन्है
मापसंगकी निपटअभिलबरुषहूंमिलि
वेकोजककैसकैमिलाऊंगतिमोपैनाखि
हैगकी इकतौडसरूडषदेतिहृतौडति
हृजेवीसविसैविसवासभई वाकेअंगकी
१२ अथपरोसिनिकौवचनराधिकासौं स
वईया॥पाइपरैपलिकापरस्यौंसुलगीव
तितौलनमेलिवतीहो सौहैकियंसषसौ
हौंकियेअवलौंतमपैगतिअसीनतीहो
केशवकैसेहूंदेषनकौंजिन्हैभोवह्निभौंरी
लौं अंनिदतीहो पानषवावनहींतिन
सौंतमरातिकहासनरातिङतीहो १२ अ
थपरोसनिकौवचनकृस्नसौं सवईया हो
सीमेंबातकसौंकहीहसिवेंहीकहीस
हिथंकविलेष्यो आषिमिलीनमिलीस

रसि
प्रि

82

षियांमिलिवोईसुकेशवकौं अवरेष्यो विवा
इमेरेजुपमाधेनवातिऊखानसमैंहीसबैसु
बिसेष्यो आजहीकोंवहआवनिल्योजिहि
आगिलगेहूंनआंगनुदेष्यो ४५ अथमाल
निकौंवचनराधिकासौं कवित्त उरिहैकौं
भूषनवसनडतिजोबनकीदेहिहीकीजोति
होतिघोस असीगतिहै नाहकौसुवासु
लागैहैहैकैसीकेशवसुभाइहीकीवा
सुभौंरहीकीवासभौंरभीरफारैघाति
है देषेंनेरीमूरतिकीमूरतिविसूरतिहौं
लालनकेहगदेषिबेकोंललचातिहै च
लिहेवेगोंचंदमुषीऊचनिकौभारुभएक
चनिकेभारनैलचकिकरिजातिहै ४५
अथमालनिकौंवचनकृसमौं कवित्त ये
रीजिनिमाहिहरजोंनदेऊचनसांमचरी
कमैंलागीउरदेषिवीज्योंदामिनी होइ

६६

कोउ ऐसी वैसी आवैं स्तउ नहाेइ वेनो हषभा
नजूकी बेटी गजगामिनी आदित कोआ
वोबनि बनिजाउ आवनी है वेऊ वनि आई
अहजामिनी कोमके डरनिनमऊजगत्यो
केपेताइ भोंरनिके भय भोंन गत्योउहिमा
मिनी १६ अथ वरइनिको वचन राधिकासों
कवित्त मैंनऊ सोमन मडमडलमनालिका
सेहूनके सेसुरभुनि मनहि हरति है दासों
कैसे वीज दंतपान सेअरुन ओट के पेगदा
सदेषि हगआनंद भरति है येरी मेरीतेरी
मोहिलागनि भलाई ताते हूंकनि हैं तोहि
औरहू कति डरति है माधव सीजीममषके
जैसेकोवरे काहि काठमीकटे टीवाने केसे
निकरति है १७ अथ वरइनिको वचन सखि
सों कवित्त कारे सटकारे केसलोंनी कछुहै
नीवैससोनेते सलोंनी डतिदेषियतितनकी

रसि
प्रि

आछीआछीचलनचितौंनि आछीअतिआ
छीमलककविताविमोहैमतिमनकी केशो
दासकेहूंभागपाईयैजुबागिगहिसासनि
उसमेसूजैबनितनकी बेटीकाहूगोपकी
विलोकीप्यारेनेदलालनदीलोललोच
निबडवानबडबनकी ९ कवित्त नैना
निनवावानैकअतिंद्री अनीतकैंजाननन
नमजैसेहजजांनियतहैं चंचलचरित्रवि
त्रचेटकिचटिकलाइचोरिके चितनिअभि
मारुकोपियतहै एकनिकेपैठे उरउर
किउरोजनिमैंडरुपेतकेशेगराइकैसेंना
जियतहैं ऐसीकहूंहोतिहैजुबालनि
केचित्तचोरिचोरिमनमथहूकेहाथबे
चियतहै १९ अथसिल्पनीकोवचनराधिका
सौं कवित्त श्रवनकपरपोंनषायेकोसोमुष
वासु अपर अरुनताविसपरसधारेहै वि

63

नकपोललोललोचनचकोरननि अमल
कंहूहनोमोह्रमारेहै भृकुटीकुटिलजे
सौतेसौनाकिरेहाहातिआजीन्ने सौआछे
केशोराइहेरिहारेहै काहूकोसिंगारकैवि
गारतिहै मेरीआलीतेरे अंगसहजसिंगा
रतिसिंगारैहै २० सवईया अबहीसुनिबो
लिरीबालिलगीजगपैपरिहूलौंउटिजान
नंदीने मेरेईज्ञानभई उलटेवसकेशवहै
कहिबेकहूकीनैजोपैइतोड्युपावतिहों
तलफैहगंमीनमनोजलहीनै नौकत
छाइतिहौकिनपजरहौकिनिचिवजोंहा
यहिलीनै २१ अथसिल्पनीकोवचनकेस
मैं सवईया॥ मोटूनरीजिमिछूटरहौग
हिटैवकुटैवनिंज्ञानैनजाहू लाजनआ
वतिमारैसमाजनलागै अलोककेना
जननाहू कोरिविचारविचारहुकेशवदेष

रसि
प्रि

ऊबूकि हितसमकाहू नेहहीकेपिरिला
गहू संगननैननिकोसगगेरनिबाहू २२ अ
पञ्चहेरनिकोवचनराधिकासों कवित्त
मनमननमिलेकहामिलिहे मिलेकोसुषुमि
लिहू धौंदेषहु तुलाइकाहूबालसों भूलि
परेभौंहनिहूवांपिहोकिनकदिनबांधौं ब
लिजाउवनमालीवनमालसों मङमोरैमा
रैनमरतितिसकेशौदाममारैहू धौंमेरे
कहेंकमलसनालसों नैननिहं विहसि
विहसिकेंलैंबोलिहोजनक वहू धौंबोल
हुविहसिमनषलालसों २३ अपञ्चहेरनि
कोवचनकसमो सवईया आपुनहूजेउषी
ऊषुजाकेहोनाहिकहाकबहूंउपदीजे जो
तिनश्रोरनसहाइनकेशवनाहिसहाइस
तोसबकीजे भागबडेजरवीतनमसोवहू
तोविरचाइकहोकहालीजे जोविसजाइतो

जैसे मनां वन जातो तोहै रूप सिराइन पीजै   २४

अथ सुनाव निको वचन लछन सो सवैया

लोल अमोल कटाछ कलोल अलोलिक

सौं पटु बोल कपोल पोनि पसौं अति पैन रसा

ल बनै मन भावत मेरे केशव ची कने

औगुन चोष विनै कै भप हरि रिझाइ तिचेरे सो

भु सको छुन श्रीवति रोवन पी रज मोचन लो

वन तेरे २५ अथ सुनाव निको वचन लछन सों

कवित्त हांसी मैं हू सेतें हरि हेरे कै जकति

म व्हारि कै हूस तिहू रिद्धि पै अनुरागी है

पैम की पहेली रट जोन तजनाव तिंही

आजु अपराति कलो मेरे संग जागी है अ

गी है अबलौं जो परी पीर तैं सें दिन दैक

औरपरी गिरयत्न मतैं को बड भागी

है भावती तिहारी वरू कालिंहीते के

शौराइ कांम की कथा निकलू कां न दैन

रसि
प्रि

(३३)

65

लागीहै २६ अथरामिजनीकोवचनराधिका
सौं कोमल अचलवेतो अमलपतिकुच
लमलिननलिननवलीलकेसपातहै ह
पैसाघसुपवेतोकुटिलकरमपनौकेश
वपरमचोरमरमाकिरातहै पापहैंपक
रितवपापहेनकेमहंतथोरीअटलातिप
तौअतिहदिलातहै ववजतकौंनंदहौं
कविकीकहतिमेरेमोहनकेमनैनतेरेनै
नक्षेक्षेजातहै २७ अथरामजनीकोवच
नकलसौं सवईया कौंनहूंतोषकहाभ
यो केशवकामिनिकोटिकसोहितुदोटे
रेचनसाथसपेसषवीविनुराषेकेआयो
ऊलोचनडाटेकोघरसीतलवासुकवेम
घजोरभषीचनमारकेमोटे लालचैहा
यहै हजनाथपेप्यासतुकाउनबोस
केचोटे २८ अथमंनमानिनीकोवचनराधि

कामैा कवित्त नव्लटिहै ल्कुडापंजकवि
ह्मैपों केसीनबकेपैांदामसुनयासण्या
सम्भूषिभागिहै पैलभूलिजाइगोजडा
इगोरोचित्तचेतिकबुनसहाइगोरीरैनदि
नुज्जागिहै तातेतेंतपतिहनीसीरैतेसरूस
गुनीउपजिपरैगीउरभैसीपकआगिहै पै
डिसैांभैंडाइजिनिभ्रेचलउझानवोलिडोल
तिहैाकाह्नंकीजडीटिउट्टिलागिहै २५॥
अथसंन्यासिनीकौवचनकरूसैा॥ क
वित्त सीतलहंद्दीनलतिह्मारेनवसति
वहत्रमननजातिजिलताकौउवनापपड
आपनोंहीरासैांपरापंह्माथहजनाथदे
केतैाअकाथसाथमाथनसैांमनलेक
पनेपरकेपैाराहत हैनथवाह्निवाहिव
हैजकलागीभूषसहषभलोगेइ मांडैा
गुरुक्काडैाविनबलनिबुवीलेलालसै

रसि
प्रि

सौतैगंवारनिसौंनमहीनिबाहोनेहु ३०
अथपटइनिकौंबचनराधिकासौं सवईया
याहीकौंमेरीगुसाइनिमैंपढिलैमिलईब
तियांबलिछैलौ वातैंमिलै अखियांमि
लईसखियांमिलईसखियानिकी आंखिनि
पारिकैछैलो आंखिमिलैंमनहूंसौंमिलि
हैमनलेहुमिलाइगहैहमगैलौं मिलै
मनमाईकहाकरिहौ मनहूंहीकेमिले
नौकियोमनमैलो ३१ सवईया गेह
केनेहकेदीवीकेभूषनकीजिनभूषभ
गाई मोहिहसौंउखदोउदईतिनहूंसौं
जनावतिहौचतुराई केशवराइबडा
ईदईतौकहाभयोजातिसहमाउनजाई
सौंनैसिंगारिहू सोंधोवनाइनपीत
रकीपितराइधिजाई ३२ अथपटइन
कौवचनकसमसौं सवईया वाम्हनैनी

(५०)

ज्यों औरनि हूं जलगावत होत सषी प्रेम न
हूजै सो नेह सी सुन पीन रहो १ तो केश
व कैसे हूं सहा यन हूजै अप्रुनि राउन जो
सिषि वैन हकाउन कों १ ल ज्यों कलकूजै
सेद रस्यो म विरांम करो कछु औंब की सा
घन औ विलीन हुजै ११ दोहरा नयन अय
न सुष मघन कर कहे सषिन के मर्म केशव
कहो कछूक अब तिन के कौ विदकर्म १४
इति श्री मन्महाराज कौ मार श्री इंद्रजी
त विरचितायां रसिकप्रियायां सषीजन
वर्ननेनाम द्वादशो प्रभाव: १२ अथ
सषीजनकर्म कथनवर्ननं दोहरा सिक्षा
विनय मनाइवो मिलवहि करहि सिंगारु
ह्कि अरु देहि उरांहनो यह तिन को व्यौ
हारु १ अथ राधिका को सिक्षावर्ननं सवई
या नाइ लगै म सषी सो निदहें दिननां हीं ल

रसि
प्रि

(००)

67

गेहघदेहदहैगो नाहीश्रवैसुघदेनिहैके
पावनाइसदासुघदेनवहैगो नाहीवीनो
हीतैनाहीभलाईभलीसबनाहहीतैपे
कहैगो नाइसोनेहनिबाहरीकावरीनो
हीसोनेहकहानिवहैगो १ अथ हसकौ
सिक्षा कवित ऊंऊमरुबटिऊंऊमाकेन्ह
वाइजलसौंपोसिरलाइयाहिलापकहा
रासमै चंदनचटाइफूलिमालपहिराइ
भूलिवहीकाज ओजिमोजिकीनीहैप्र
कासमै केशवकएरहरिकाहेकौंघवावो
पौनजौपैमनमगनहै औसेहीविलासमैं
तौवाहिनमनावौहरि हाहाकरिपाइप
रिसबई सवासबसेजाकेमषवासमै ३
अथरापिकाकौप्रविनयवर्ननं सवईया औ
सेहीकौंछुपकैरहिहौसषिहौसहिहौस
तराहटमौलौ कौंसरिहैमिलिवेबिन

(१६९)

नोहितकमिलिहैमिलिएदिनमैालौ के

गावकोरिकरौउपचारमिलेकोकह्यामिलि

हैसुषनैालौ देषिपौंगुंगनिग्रावसीलेमि

लिहैपियसौंमनहीमनकोलौ ष ग्रथल

सकौविनय कविन सुषकेसफलनैन

दासौसदसनग्रेनविद्रुसेग्रपवह्यासरूपा

सोसुघासौहै वैनीयिकवैनीकीत्रिवेनी

सीबनाईवीरवारूसोबारीककविह्याको

कविह्यसौहै कीनेकचग्रमलनरूवेसे

फलकेशीदासयातेंविधिमगपविचारौ

है देषौनगुपालसषिमेरीकोसरीरूसबु

सौनौसोसबाविमनमेनसौंसवारौहै

प ग्रथनाइकाकोमनाइवो सवईया॥

नाहीसिषावतिनाहीभलीसषिज्ञावक

जोतिनकोमुषडाटो भौंहनकेमलवो

भटभावनिनैननिकेशववित्रजेौंग्रागेही

(१०१)

रसि
प्रि

68

ढांटौ कान्हिजैंकालीकेदौनेदईहसिपाई
परौंमुखकाटौ ६ अथराधिकाकौमनाइबौ
सवईया रीझिरिझाइकरोषनिकोंकिर
हीमधुदेषिदिषाइसुभोंहीं बोलनआए
अबोलीभई अबकेशव अंसीहूमैनसहीं
ही मैंवहुतैंबाहिराईहैतोसीपैंतूबाहिरा
वतिमोहिहथ्याहि अैसेसयांनसदाचलि
हौहरिमोहसिहांकरिमोहसौंनाहीं ७
अथकलहकौमनाइवौ सवईया भूषनभे
दवनाइकैकेशवफूल बनाइबनाइकैवा
गे भागबटाइ सहाउबटाइकैराउबटाइ
हिंएअनुरागे पांइलगावतपानषवावत
सौंपौंचटावतिहींनिसिजागे कोंन्हचलौ
उठिबैठेकहामनचोरिपरायोवहूसनला
गे ८ अथराधिकाकौमिलिवौ सवईया उ
ठिमदेवनिहूंकौसतोहरि कौंमनहामनहीं

हरिलीनौ रावरौ जौहियतेकबहूंअबजौं
गुबकौंदियौमेंडुपवीनौ लेतलियौतौनमो
नद्दकाहूसौंमौनिक्षौतादिनडुषुनवीनौ
मोगानआवैतौदीजैभटू अपनौमनजौंव
हजाइनंदीनौ ४ अथराधिकाकौमिलिबौ
सवईया आजुदिवारीकीरातिज्युकीजैसु
आजकेघौंसुनौहैसुभागी बातसुनी
जननीपैजहीतावहीमतिमानकीनींदतें
जागी अंगसिंगारिनिहारनिसाजनिचि
तविहारवहींपै अनुरागीसीपदैदेवनिजा
इज्ञआमिसकेशवराइसौंषेलनलागी ५
अथराधिकाकौमनाइबौ कवित्त जौहौंगनौं
औगननितौनंगनैगुनगनजौहौंगनौं
गुनतौनऔगुनकेगनमैं केशौराइऐसी
प्रीतिछपावतिछलननमैंजैसेंछबिछूटिछ
पाकराछपैंचनमैं भारीहैनिदुरनिसिभा

२

(४७)

रसि
प्रि

69

दौकीभयावनीमेसुकैयोंवसैचरजाकौ
पीउवसैबनमे बैठेतेउदावैउटिचलेतेंम
चलरहेसोईमेरीकौनकहैजोईतेरेमन
मे ११ अथहंसकोउपमिलिवौ कवित्त सिषि
हारीसषीउरपाइहारीकादविनिदामिंनी
दिषाइहारीदिसि अपरानकी झुकिझुकि
हारीरतिमारिमारिहारयोमारुहारीफक
फोरतिविविधिगतिवातकी दईनिरदई
वाहिकाहेअैसी मतिजारतिजुरैनिअै
निंदाइअैसेगातकी कैसेहूनमानेहौम
नाइहारीकेसोदाइवोलिहारी कोकिला
वुलाइहारीचातकी १२ अथराधिकाकौ
सिंगारुवर्नने सवैया दीनोमैपाइनिकौ
इमहावरुआजिमैअंजनआंषिसहाई भूष
नभूषितकीनेमैंकेसवमालमनोहरमैंप
हिराई दर्पनलैकरदीपतिदेषिसषीसवअं

रसिंगारबनियाई वेकबिलोकनिछ्रकले
पोनषवावेकोनंदकुमारकन्हाई ६६ अथ
कृस्नकोसिंगार सवईया पागबनीअरुवा
गोबन्योवतुवापटुकाकटिराजतनीकोसो
धोवन्योअतिचारुचटावतहारुबन्योउरमा
वतोजीको वीराबन्योमुषपानमनोहरमो
हिसिंगारुलगैसबफीको भालभलीवि
धिजोंलोंगुपालदियोउहिबालबनाइनकी
को ६७ अथराधिकाकोरूकिवो कवित्त॥
फिरिफिरिफेरिफेरिफेरिफेरौमेहरिकोमनअ
नफेरेंफेरीकुनिभागकीभलीवरी पल
पलपाइनिपवनन्नतीजिनकेहपाल्यौपी
उतेरें पाइपीकेपाइहौंपरी वडनिकेव
टनिकीबडीपबडाईमेटिकेपीरासबडि
निहूमेजोनरबडीकरी हौंतोंजानोंमना
येतेमेरोगुननमांनिहे मेंयाहीकोंमनाईंतें

(६०)

रसि
प्रि

70

जुमोहीकौंमनोपरी ५५ सवईया केशवराइ
बुलावतहैं चितचाकहलोचनिचेतकरौ
जू कालिकलेवरुपकविसेपरौवीसविसे
हूजतैंनटरौजू आगिलगानेवीकालिकले
वरुपकविसेपरौंवीसविसेहूजतैंनटरौजूआ
गिलगैतेरीकालिकौसीसपरौंपरजाइब
जागिपरौजू आजुमिलैंतौमिलौंहूजराज
छिनांहीतौंनीकेहैराजकरौजू ५६ अथमुग्धा
कौक्रुकवौ सवईया उजरिहैयहुगाउभटू
माखिकांन्हकोनांमजुलीजत श्रैहै जौनैकौ
मारीहैकोनहिकाकरी श्रीरैहैबेलछवी
लीजतैहै बातसंमारिकहौ सुनिहैकोउ
आगिलगाइकैऊतकदैहै कान्हहिमारीतु
बारीहै बावरीतेउनिकोंकसिगावहिदैहै १ २
अथरुसकोक्रुकवौ सवईया तासोंवसा
इकहाकहिकेशवकांमलतातकतिउवई

बिधि के लिषि लोपिन जाइ अली लिकलै
मति सी सम झे गाढई अपनो मन आव सी
लै सुनि बात कहो परिमान लई हठ मांन
सुनापर ओर सहा गिलि गाउ जहां लगि
जी भगाई ५८ अथ राधिका मोउरो रहै नै ॥
कवित्त ॥ केसौ दास कोंन बडी रूप उजल
कांनि मैं अनोषो एक तेरें ही अन षउरगे
लिये आपने समान काहू मांन मैं न मानै
हे गुमांन के बिमान वैटी ब्योम ब्योम डो
लिये ऐंड मों ऐंडाति अति ऐंचल उडाइ ऐ
सी बोडि ऐंड बैडी चित्त वनि निरमोलिये
दीनो मन हाथ जिन्हि हीरा मोल रषि के तो
हू रिसौं हर निनै निहुरै हूं तो बोलिये
अथ हल समोउ रहै तो कवित्त सोहनि
को सोचुन सको च्छु काहूं वीच की कोपे
को प्यारे पी कलीक लोचन किनारे की ॥

१५

रसि
प्रि

मांषनकीचोरीकीहै मोहूथोरीथोरीम
पिजानतिवहै किमोरीजोरीहैजवारेकी
मेरीयेऊमति श्रोरकहाकहोकेशोराइला
गतिहैलाजलालईहोपांऊधारेकी पती
हैटिटाईवाहि अबहीकटाई वहबाउ
नेबूटीनोहीपाइनकेपारेकी २० सवई
या श्रापीसीथाइहैदाईदेवारिसीदासि
निकेडघदेहूदहीहै नापकेतूलनेबोरि
निमालिनिनाइननाहकेनेहूनहीहै ते
रीसोमेरीसषीसुनितेरी अकेलीकीश्र
सवहीहै कोनदमिलाउकेमोहिनपाईहै
आपनेजीकीमेतोमोकहीहै २१ दोहरा
इहिविधिस्यामसिंगारस बहुविधिव
रनहुलोइ चारिवर्नचहुश्राश्रमनि क
हतसुनतसुषहोई २२ इतिश्रीमन्महा
राजकोमारश्रीइंद्रजीतविरचितायांरसि

कप्रियायांसषीजनवर्ननेनामत्रियोदशोप्रभाव: १२ अथहासलछनवर्ननं दोहरा नयन वयनकछुकरतजबमनकोमोदुउदोत चतुरचितनपहिचानिनो नहीहासबसहोत १ अथहासभेदवर्ननं दोहरा मंदहासकलहासपुनि कहिकेशवअतिहास कोविदकविवरनतुसबै अरुचोथोपरिहास २॥ अथराधिकाकोमंदहासवर्ननं सवईया भेदकीबातसुनेतेकछूवहमोसकानेमसिकानिलगीहै बैठतहैतिनमेंहरीदिकेजिनकीतमसोंमतिपेंमपगीहै जोंनतिहौंनलराजदमैंतीकीहतकथावसरंगरंगीहै सूजेगीसापसवैसषकीबडेभागकीकेशवजोतिजगीहै ३ अथमंदहासलछनवर्ननं दोहरा विकसहिनयनकपोलकछु दसनवसनकेवास मंदहासतासोंकहत कोविदकेशवदा

रसि
प्रि

स ष दोहरा बरनतवारैगंटथबहु कहैनके
शवदास ओरोउसमयोजानिजहु सब प्रछन्नप्र
कास ५ अथराधिकाकोमंदहासवर्ननं ॥
सवईया जानैकोसानस बावनकोहूगई
गडि अंगलीबोटनवीनै नैचितवहीतिहि
रीतिरीलालकेलोचनलीलिमेलीनै बात
कहीहरवयेहसिकै हनमैसमझीवैमहावस
भीनैं जानतिहोंपियकेजियके अभिलाष
सबै परिपूरनकीनै ६ अथहासकोमंदहा
सवर्ननं कवित्त दसननबसनमाफदरसे।
दसनडतिवरषिमदनसरकरत अचेतहैं
कोई फलकतिलोललोचन कपोलनिमैं
मोललेतमनक्रमबचनसमेतहै भौहैक
हैदेतिभाउसनैोमेरीभावनीके भावतेब
वीलेलालमोंनकोंनहेतहैं केशवप्रकास
हासहसिकहालेहुगेजु अैसेहीहसनितो

(८६)

हिएहूवेलेतहैं ७ अथप्रकलहासलछनवर्न
नं दोहरा जहंसुनिजेकलधुनिकछू को
मिलविमलविलास केशवतनमनमोहि
ए वरनहुकविकलहास ८ अथराधिका
कोप्रछनकलहासवर्ननं सवईया काबे
सितासितकाछिनीकेशवपातुरज्योंपुत
रीनिविचारैं कोटिकटाछनचैगतिभेदन
चावतनाइझनेहुनिनारैं वाजनहैमदुहा
समदंगसदीपतिदीपनकौउजियारैं
देषतिहौहरिदेषितुम्हैंयहहौतुहै आषिनि
हूंमेअषारैं ९ अथराधिकाकोप्रकासकल
हासवर्ननं सवईया प्रेमचवैनैरसबैनसनैं
गतिनैननिकीसरिमैंनमईह्नी बालब
हिक्रमदीपतिदेहतिविक्रमकीगतिली
लिलईह्नी भौहैंचढाइसखीनिडराइरतैम
सिकाइउतैचितईह्नी केशवपाईहै आजुम

रसि लैचितचोविजकालिकीगवालगाईजी २०

प्रि॰ अथकमसकौकलहांमवर्ननं सवईया आ

जसषीहविनोसौंकछबडीबेरलौवानक

हीरसभीकी मेलिगरेपटकाभूनिकेशावहा

विहिपमनहारिसीकीनी॥ मोहिभूवंभोमहा

मोहाहाकहिवाहकहावहवारनलीनी तैंसि

रहाथदियोउनकेउनगांढिकहाहसि अवल

दीनी २२ अथप्रतिहासलछनवर्ननं दोहरा

जहांहसैंनिवसंकहै प्रगटहिसषसषवास

आपेआपेवरनपद उपजिपरतिप्रतहास २२

अथराधिकाकौप्रतिहासवर्ननं कवित॥

तैसीपजगतिजोतिसीससीस फूलनिकी

कलकततिलजवरूनीतेरभालकी तैसी

यैदसनदुतिदमकातिकेशोदासतैसोईल

सतलालकंटकंठमालकी तैसीयेचमक

चारुचिबुककपोलनिकीफलकततैसो

नकमोतीचलचालकौ ह्वैहैरहसिनेऊच
तरवपलनैनिचितचकचैांधीमेरेमदनग
पालकौ ३ अथकमलकोप्रतिज्ञासवर्नन क
वित गिरिगिरिउटिउटिरीकिरीफिलागैकंट
वीचवीचन्यारेह्वौतब्रजन्यारीन्यारीसौं आ
पुसमैंपउलाइआपेआपे आपरनिआबी
आबीवानैंकहैआबीएकप्यारीसौं सुनत
सुहाईसबसभाकिनपैरे अबकेशोराइकी
सौंउरिदेषहैमैंप्यारीसो तरनितनूजानी
रतनरवतनटवाटे नारीदेहैंदसतऊंवरका
ह्रैप्यारीसौं ४ अथपरहासलक्षनवर्ननम दो
हरा जहपरिजनसबहसिउटैं वनिदंपतिकी
कानि केशवकौंनजुबुडिबल सोपरिहा
सवषांनि ५ अथपरिहासवर्ननं सवईया
आईहैएकमह्याबनसौंविद्यगावतिगीतसि
तापगुपारी सुंदरताजनैांकौंमकीकामिनि

रसि
प्रि

74

बोलिकह्यौ वृषभानदुलारी गोपीकेलाई
उपालंहिवे अकुलाइमिलीउठिसादरभारी
केशवभेटतहीभरिअंककहंसीसबचौकदैगो
पकुमारी ९६ अथकरुनारसलछनवर्ननं दो
हरा प्रियकेविप्रियकरनतें आनिकरुनरस
होत ऐसोबरनवषानिजो जैसोतरुनकपो
त ९७ अथराधिकाकोकरुनारसवर्ननं कवि
त तेजसूरसेअपारचंदमासेसकुमारसंभ्रमे
उदारउरउरधरियतहैं इंद्रजूसेशंभुषेरामजू
सेरनसूरे कामजूसेरूपरहयेहियेहरियतहैं सा
गरसेधीरगनपतिसेचतुरवीर ऐसेअविवे
ककैसेंदिनभरियतहैं नंदमतिमंदमहाराज
सुपासोकहौंकहा ऐसेसुतपाइपसुपालक
रियतहैं ९८ सवईया कूढहूंभोहुवदाइविनै
इवपाइकेमनकौंहूंकरैरी नाकौतोकेशव
कोटह्वियेइधहोतमहाजुकहोहितहैरी केसो

२२

है तेरोही योहरि मेरे हीन्है डोनहीं तन छूटत
मेरो बूंद कहूं थको मारो जु बाधि हजां नति
होमाई जायो न तेरो १९ अथ करुनकौ करु
नारस बर्ननं कवित्त चंपे की सी कली भली
केशव सुवास भरी रूप की सी मंजरी मधुप म
न भाई है देव की सी बानी अति बानी तें सयां
नी दे व राज की सी रानी जं भनी जगत सुषदाई
ये काम की कला सी चपला सी कांम अब
ला सी कमला सी देहु परे पूरे पुंन्य पाई है
कौंने कीने निपट ऊजाति जाति ग्वाल ऐसी
राधिका ऊ अरि पहि गोरस विचाई ये २०
अथ रौद्र रस लछन वर्ननं दोहरा होइ रौद्र
रस क्रोध मैं विग्रह उग्र सरीर अरुन बस
न बरनन सबै कहि केशव मति पीर २१
अथ राधिका कौ रौद्र रस वर्ननं कवित्त के
हरि कैहु रिकरि मृग मीन फबि सक पिक

रसि
प्रि

(३०५)

75

कंजमंजरीटबनलीनौहै मंडलमनालबिंबु
चंपकमरालबलऊऊमदाडिमकहूंबहूंड षदी
नौहै जावतकनकतनतनकतनकससिचट
नबदनबंधुजीवगंधुहीनौहै केसौदासदास
भयोकोबिदऊवरकौन्हराधिकाऊवरकोपकौ
नपरकीनौहै २२ अथकरुणकौरोद्ररसवर्ननं
कवित्त मीडिमासौकलङ्क बियोगमासौ
वैरिकैरोरिमासौअभिमाननमारौ भयमा
स्यौहै सबकौसुहागअनुरागलूटि लीनौ
दीनौराधिकाऊवरकहूं सबसुषसांस्योहै
कपटु कपटिडासौनिपटिकै औरनिसौमेटी
पहिचांनिमनकेहूं पहिचान्योहै जौसौरत्ति
मनमथ्यौमनमथहूंकौमनकेसौराइकौं
नकहरोमडवस्यौहै २२ अथवीररसलक्ष
नवर्ननं दोहरा जोउवीरउत्साहमय गोरव
रनउतिअंग अतिउदारगंभीरकहि केशवपाइ

प्रसंग २४ अथ राधिकाको वीररस वर्ननं क
वित्त गतिगजराजसाजसाजिदेहकीदिपति
वाजिवरषभावराजिपेदाचलचालमें केसो
दासमंदहास असितऊवभटभिरेभेदभपप्रति
भटभालेनषज्जालमें लाजसाजिकुलकानि
सोचपोचभयभानिभौंहेधनतांनिबानिलो
चनविसालसें प्रेमकोंकपटुकसिमाहस
सहाइऊलैजीतिवतिवन आजमदनगुपा
लसें २५ अथ करुनरसकोवीररसवर्ननं क
वित्त अचज्यौंउदासिहोकिबकज्यौंविदासि
होजकंस्केकोकिकेसौराइकेसीज्यौंपठ्यासि
होकिशोननाशपूतनाकेशोननिज्योंबनमा
लीकालीलीस्योंनिकारिहो करिहोबिमद
वनवाहनज्यौंवनवाहनज्यौंवनस्यामका
हूंसोंनहारेहरियाहीसोंकौंहारिहो वेही
कांमकांमवरवृजकीऊमारिकानिमारत

ह्वैनंदकेऊमावककबमारिहै ।। २६ ।। अथभया
नकरसलछनवर्ननं दोहा ह्वोइभयान
करसुसदा केशवस्यामसरीर जाकोदेख
तहीमनन उपजिपरतभयभीर ।। २७ ।। अथरा
धिकाकोभयानकरसुवर्ननं सवईया भुव
मंडलमंडितकेघनघोरउदीदिवमंडलमं
डिगटी यहरातिघटाघटबातकेसंघटघोष
घटैनघटीह्वैघटी दसहूदिसकेशवदामिनि
देखिलगीपियकोमिनिकंदनटी जनुपंथ
हिपाइथुरंदरकेवनपावककीलपटैंफप
टी ।। २८ ।। अथकरुनकोभयानकरसुवर्ननं क
वित्त रोसमैरसकेबोलविषनेसरसहोतजो
नै सुप्रबलपितदोषे जिनचाहीहै केशौ
राइ उखदीबलाइकमपवनसम आजलह
जीमैंजाकीआंषें अभिलाषीहै लपेहैस
पारिबकोंप्राणसिसवनमोदि लपेहैमैंस

(८०)

पीवानेंमोसोंउनभाषीहैं ऐसेमेंहोंकेसंज्ञा
उंड़विहूपोंदेषोज्जाइकामकीकमांनसीचटा
इभौहूंराषीहैं २९ अथबिभत्सरसलछनव
ननं दोहरा निंदामयबिभत्सरसनीलवरन
वषनास केशवदेषतसनतहीतनमनह्वोइ
उदास ३० अथनापिकाकोविभत्सरसवर्न
ने कवित्त॥ मानाहूकोमासतोहि लाग
तिहैमीटामुषपियतपिताकोलोहूनेऊन
चिनातिहै भैयानिकेकंटनिकोकाटतन
कसकतिनेराहियाकेसोहैज्जकहतिसिहा
तिहै जबजबहोतिभेटमेरीभटूतबऐसीसों
हूंदिन उटिषातनअघातिहै प्रेतनीपिसा
चनीनिसाचरकीजाईहैतूकेशोराइकीसों
कहितेरीकोनजातिहै ३१ अथकरुनकोवि
भत्सरसवर्नने कवित्त हूटेटाटहुनहुनेध
मधूरिमेंननसनेंकी गरबिगोडीसांपवीकी

रसि
प्रि

ननिद्यानतज्रू कंटककलितत्रिनवलितविगं
धजलतिनकीनलताकौललवातज्रू ऊल
दाऊवीलगातश्रेपतमग्रपरातकाद्दिनसक
तबात श्रतिश्रऊलातज्रू छोडीमेंतुसेकिचर
ईपनकेचनस्पांमपवघरनीमिपहजातनचि
नातज्रू २२ अथअद्भुतरसलछ्छनवर्ननं दोहरा
दोइअवेभोदेषिहानि सोअद्भुतरसहजांनि
केशवदासविलासनिधि पीतवरनवपुबो
नि २३ अथगोपिकाकोअद्भुतरसवर्ननम् ॥
कवित्त केसोदासवालवैसदीपतितरुनिने
रीवांनीलहुबरननवुधिपरिमांनकी कोम
ल अमलउरउरजकठोरजानि अबलापेव
लवीरषेपनविधांनकी वेवलविलैनिवित
अवलसभाइसाथसकल अलापभावकोम
कीकथांनकी वेवातिफिरति टापलेतनिन्हें
मोललेतिअदभतरसभरीवेटीहृषभानकी

२४ कवित्त हुजकीऊमारिकावेलीनेसऊसा
रिकाएदावैकोककारिकोनिकेशवसबैनिवा
हि गोरीगोरीभोरीभोरीथोरीथोरीवैसफिरै
हैरीहैरीआईसबदेषैचोरीचोरीवाहि विन
गुनतेरीआनिमृऊटीकमोनतोनिऊटिल
कटाक्षबानयहआविरिजआहि एतेमोनदी
बईटतेरेकोअडीटमनपीरिदैदैमारतीपैं
हूकतीननैनैऊगाहि २५ अङ्गनरसहसकोव
नेने सवईया वनमोहिमिलेहतेकेशवेश
ककहाव रनोगुनगूढउगारे जसदापैगई
तोवेरोहिनिपेड्डदियाहिशहावतजाइनिहारे
घरजोउतोसवनहूंफिरिजोउतोनंदपैषानव
रादधिपारे समोयहसमकिपोंसजनीहरि
बाहूवहातनवडेछरबारे २६ कवित्त माष
नकेचोरसभुवोरदपिहूपचोरदेषौंनाहीदेष
तहीचितचोरेलेतहै एवनघुरानअऊरुसरन

रसि
प्रि

पुरंगनेहूं पुरषपुरानेयौं कहतकिहितेहै केशो
दासदेषिदेषिसुरनिकीसुंदरीविकलतिविचारु
सबसुमतिसमेतहू देषगतिगोपिकाकीमू
लिजातिनिजगति अगतनिकैसेपीपरमग
तिदेतहू ३७ अथसमरसलछने दोहरा सम
तैंद्वैउदासमन बसैएकहीठौर तासोंसम
रसकहतहै केशवकविसिरमौर ३८ अथरा
धिकाकोसमरसवर्नने सवईया देषतही
अरविंदनिसोंचितवेदकीआनंदकंदनिका
ई कोंमनकामकथाकैवैकामिनिताकेत्रिया
मकीसुंदरताई देषिगईजबतैंतबकौंतबतें
कछुवाहिनदेषीसुहाई छोडेगीप्रानजुदेष
विनाअबहोदेहुनकोंन्हकहूंढेदिषाई ३९ अ
थकलसकेसमरसवर्ननं सवईया घातिकघा
तनदासौंईदाघनमाधनहूंसहछोडीईस्टाई के
शवऊषमहषहूंहहषतआईहौंतोपाहिछोडिजि

टाई तौरदनछदकौरसुरंचकचाषिगएक
रिकेहूंटिटाई नादिनतेउनवाषीउटाइसमेत
सुपावसुधाकीमिटाई ४९ कवित्त दनुजमनु
जजीबजलथलजलनिकौंपसौईबद्दतज
द्दौकालसौंसमतहै अनतअजरअजअम
रौमन्नतपरिकेशवनिकसिजौंनेसोईतौअम
तहै बजन्तश्रवनसुनिसमुझिसबदकरिवे
दनकौवाउनंदीसिवकौउमतहै भागहरेभा
गौभेयाभागनिजौभागपौपैभवकेभवन
मौफभयकौभमतहै ५१ दोहरा इहिबि
धिबरनहुबरनवडु नवरसरसिकविचारि
वांपदुहनिकविनकी कहिकेशवविधिवा
रि ५२ इतिश्रीमन्महाराजकौमारश्रीइंद्र
जीतविरचितायांरसिकप्रियायांरसअनर
सवर्ननंनामचतुर्दशोप्रभावः १४ अथह
त्रिवर्ननम ।। दोहरा ।। प्रथमकेसकीभावती

रसि
प्रि०

मनिश्रारभटीभांति कहिकेशवसभभसानकी
चतुरचतुरविपिजाति ९ अथकैसकीलछन
वर्ननं दोहरा कहिजेकेशवदासजह करु
नाहासमसिंगारु सवलवरनसुभभावजह
सोकैसकीविचारु २ कवित्त॥ मिलिबेकों
एकमिलीमिलीफिरैंहतिकोंनिमिलिमनम
नहीविलासमानिहैं वोलिवेकोंएकवालवो
लसुनिवेकोंश्ररुवोलिवोलितोवघनिब्रत
निवसानिहै देषिबेकोंएकफिरैंदेवतासी
देरीदेरीदेवतामनाइदिनदानमनसानिहै
कीजेकहाकरमकोंइहिरूपमेरीमाईएतो
मेरेकांन्हज्रकेनामहिहमानिहै ३ अथआर
तीलछनवर्ननं दोहरा वरनीयेजामेंवीर
रस रसमयश्ररदसमनहास कहिकेशवस
भश्ररथजह सोआरतीप्रकास ४ कवित्त॥
कोंननकनकपत्रचमकतचरुचारुध्वजशु

लमलीफलकंतअतिसुषदाइ केशवक
वीलैाकुचसीसफुलमारषीसौंकेसरिकी
आडग्रपिराधिकारचीबनाइ नेकेहीन
कीबसमनीकोमोतीनीकीनाकपकही
विलोकनिग्रपालनैागपविकाइ लोचन
विसालभालजदितनराईदीकोमानोबैटो
मीननिकेरथमनमथराइ १ अथआरभ
टीलछनवर्नने दोहरा केशवनामैरुद्र
रसभयवीभत्सजानि आरभटीआरंभ
यहपदपदजमकवषांनि ८ सवईया॥
घोरघनैघनघोरनसक्षलउजलकजल
कीकविराचैं फूलैफिवैभसैनभपाइके
सावनकीपहिलीतिथिपांचै वेहूंजदा
तडितानलफैंडरपै बनिताकहिकेस
वसोचै जंतिमनोब्रजराजविनाब्रज
उपरकालजउंवैविनिनोचै ७ अथसातिकी

रसि
प्रि॰

लछनवर्ननं दोहरा अद्भुतरुद्रहुवीररस
समरसबरनिसमोनि सुनतहियसुषकरत
भावभनि मोमानकीसुजानि ८ कवित्त
केशोदासलाषलाषभांतिनिके अभिला
षभारिदेषिवाबरीनवारुहियोदोरीसी रा
धिकाहरिकीरीतिसबतेंअधिकजोनिरति
रतिनाथहूंपैजानोरतिप्यारीसी तिनम
हिभेदवनभवानीहूंपैजानोरतिप्यारी
सी तिनमहिभेदवनभवानीहूंपैपासौ
जाइभावतमेंभावतकीभावतीहूंभोरी
सी एकैगतिएकैमति एकैप्रानएकेम
नदेषिवेकों देहदैहूंनेननिकीजोरी
सी ९ दोहरा इहिविधिकेशवदासक
वि नवरसबरनिकवित्त पांचभांतिअन
रसरुरसौ तादिनदीजेचित्त १० इतिश्री
मन्महाराजकोमारश्रीइंद्रजीतविरचिता

(८)

रसि
प्रि॰

वर्नंनं दोहरा पैसोजासोहृजिपन्नासौकी
जैडष विनविचारजौबरनियै सोरसुपा
त्रकउए ॥ कवित्त कपटहूपानीजांनीप्रेम
रसलपटानीगंगोन्ह केशाननकेपांनीसम
पांनीयै स्वारथनिधानीपरमारथकीरज
धानीकांमकीकहानीकेशोदासजगजां
नीयै सबरतनश्ररुकानीसधासोसधारि
श्रांनीसकलसयांनसांनीगांनीसुषदानी
पै गोराछगिरालजांनीमोहै सुनिसूछगा
नीश्रैसीवांनीमेरीरांनीसुषतेवषानीयै ९
दोहरा केशवकरुनादासकहि श्ररुवि
भत्ससिंगारु बरनतबीरभयानकहि संत
तवैतविचारु १० दोहरा भयउपजैबी
भत्सतैं श्ररुसिंगारतैंहास केशवश्ररदभ
तबीरतैं करुनाकोपरकास ११ दोहरा
इहिविधिकेशवदासरस श्रनरसकहैवि

सेंहरिडीदिहै ७ अथउडसंध्यानरसलछ
न दोहरा॥ एकहोइअनकूलजह जहा
हुजोप्रतिकूल केशवउडुसंध्यानरम
मोहतनहासमूल ८ सवईया नोवननी
टकदोविकपोलनिजोविरहेकरिसोनरहो
गी माधिकेपानिपियाइसपावसपाइग
हेसनोहोनगहोंगी केशवचूकिसवे
महिहोमघधूमवलेयहपैनसहोंगी केपि
रिहूमनिदीजीयमोहिकें आपुनीधाई
मोजाइकहोगी ९ सवईया देदधिदी
नोउधारहकेशवदानकहाअतमल
लैषहे दीनेविनानागईजगईहोगई न
गईघरहीफिरिजेहै गोहितवैरकाकि
योहितहोकवैरुकियेंवकनीकहूवैहै
वैककेगोरसवेवहगीअहोवेच्योनवेच्यो
नौटाविनदेहै १० अथयपावसहैलछन

यांचतुर्विधिकवित्तवर्ननंनाम पंचदशो
प्रभाव: १५ अथअनरसवर्ननं दोहरा॥
प्रत्यनीकनीरस्सविरस्स केशवदुःसंधांन
पात्रदुष्टकवित्तकौ करिताकविवषां
नु १ अथप्रत्यनीकरसलछनवर्ननं दोह
रा॥जहांसिंगारबीभत्सभय वीरहिवर
नैकोइ रौद्रहासकरुनामिलतहीं प्रत्यनीक
रसहोइ २ सवईया हसिबोलतहींसुहसे
सबुकेशवलाजभगावतलोकभगे बात
चलावतहैंकहुचलैमनध्यानतहींमनमध्यु
जगै तिंजकहैरहुतीमनमेरीहींजोनिय
हैनहींयोउमगै हरिसौंनेकडीठिपसारत
हींअंसुवानिपसारनलौंअलगै ३ अथनी
रसरसलछनवर्ननं दोहरा जहांसदंपति
मुहमिलेसदारहैशुभरीति कपटरहैलप
टाइमननीरसरसकीप्रीति ४ सवईया॥

गाढ़तसिंधुसयाननकेजिनकीजिनकेमति
केशवदेहदहेली मोढ़िहूसीउघुटोकुदई
तिनहीं सोंजनावतिप्रेमपलेही जोंनीहो
जोंनीमिलीमुषहींहियेनाहियेमावतगा
वैगहेली आजुलौंकोंननिहींनसुनीसु
नौदेचलीहमसोंतिसहीली ५ अथविरह
रसलक्षनं दोहरा जहांसोकमहंभोग
कौं वरनतहैकविकोइ केशवदासऊ
लासमें तहींविरसरसहोइ ६ कवित्त ॥
केशोदाससद्दानगानपानपांनम्हलैमोंन
गयोगांनमयोपाटकीसीपीटिहै छाड
कृवसिकलालयहजकवहबालदेषहींस
वसुषुतमहीउवीटिहै ऐसीसोंवसीटी
सीटीचीटीअतिटीटीहनिसीटीसीटीवा
ननमैंनीकेहूंमैंनीटिहै ईटनिसोहूटीई
टीसोककीअंगीटीवरिउटीजाकेउरमैंसके

वारि वरनन भूलपरी जहां कविकुल लेहु
सुधारि १५ दोहरा जैसें रसिकप्रिया विना
देषिये दिन दिन दीन त्यौंही भाषा कवि सबै
रसिकप्रिया करि हीन १६ दोहरा बाढै रति
मति अति पटै जानै सब रस रीति स्वारथ
परमारथ सुलहै रसिकप्रिया की प्रीति १७
इति श्रीमन्महाराजकोमार श्रीइंद्रजीतवि
रचितायां रसिकप्रियायां रसअनरसवर्ननं
नाम षोडशो प्रभाव: १६ संवत १८४२
भाद्रव शुक्लपक्षे नवम्यां मंगले तथा प
केडके तटे नापे लिखिते सप्रकाशकः॥ इति
श्रीरसिकप्रियायां समाप्तम्॥ ॥शुभमस्तु॥